हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 63, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 31 अगस्त, 2023 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

मुख्यमंत्री योगी ने की घोषणा, अगले साल से कन्या सुमंगला के लाभार्थियों को 25 हजार रु. देगी सरकार

प्रदेश की बेटियों को अपने सपने को पूरा करने में और सुलभता होगी

लखनऊ। रक्षा बंधन के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की बेटियों को बड़ी सौगात दी है। बुधवार को लोकभवन में आयोजित 'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला' योजना के लाभार्थियों से संवाद के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने इस योजना की धनराशि में बढ़ोतरी की घोषणा की है। सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार वित्तीय वर्ष 2024-2025 से कन्या सुमंगला योजना की धनराशि को 15 हजार से बढ़ाकर 25 हजार करने जा रही है। इससे प्रदेश की बेटियों को अपने सपने को पूरा करने में और सुलभता होगी।

साथ वह शिक्षित होने के साथ ही आत्मनिर्भर भी बन सकेंगी। कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि पहले इस योजना के अंतर्गत छह चरणों में 15 हजार की धनराशि का पैकेज दिया जाता था। अगले साल से बेटी के जन्म लेती ही उसके अभिभावक के खाते में 5 हजार धनराशि हस्तांतरित कर दी जाएगी। इसी तरह जब बेटी एक वर्ष की होगी तो दो हजार रुपए, बेटी के पहली क्लास में जाते ही तीन हजार,छठी क्लास में प्रवेश लेने पर तीन हजार, नवीं क्लास में जाने पर पांच हजार और अगर बेटी स्नातक या डिप्लोमा या सर्टिफिकेट का कोई कोर्स करेगी तो उसके खाते में सात हजार रुपए की धनराशि हस्तांतरित करेंगे। सीएम योगी ने कहा कि आज प्रदेश में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के माध्यम से 1624000 हजार बेटियां लाभान्वित हो रही हैं। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के कार्यक्रम को एक नई ऊंचाइयों की ओर ले जाने की दिशा में आज दिन बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार का यह मानना है कि बेटी सिर्फ बेटी है। उसके साथ किसी भी स्तर पर कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। उसको सुरक्षा, संरक्षण और आगे बढ़ने का पर्याप्त अवसर भी मिलना चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश की जितनी भी निराश्रित बहनें हैं उन्हें राशन कार्ड, आयुष्मान भारत योजना समेत शासन की सभी योजनाओं आच्छादित किया जाएगा। कार्यक्रम में शामिल कन्या सुमंगला योजना की लाभार्थी कुछ बच्चियों ने सीएम योगी के माथे पर तिलक लगाकर उनके हाथ पर राखियां बांधी। वहीं सीएम योगी ने उन्हें उपहार भेंटकर रक्षा का वचन दिया। कार्यक्रम में सीएम योगी ने 29523 लाभार्थी कन्याओं के खातों में एक क्लिक के जरिए 5.82 करोड़ रुपए की धनराशि का हस्तांतरण किया। साथ ही सीएम योगी ने प्रतीक स्वरूप 10 लाभार्थियों कन्याओं और उनके अभिभावकों को योजना का चेक भी वितरित किया। योजना की लाभार्थी रत्ना मिश्रा ने बताया कि इस योजना के माध्यम से वह पढ़ पा रही हैं। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि अब वह अपने सपनों को साकार कर पाएंगी, क्योंकि उनके पास प्रदेश बेटियों का ध्यान रखने वाले सीएम योगी हैं। कक्षा 10वीं की छात्रा अक्षरा कुशवाहा ने बताया कि इस योजना ने उनके जैसी निर्धन कन्याओं के जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन लाया है। इसके जरिए वह पढ़ पा रही हैं और अन्य बच्चों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल पा रही हैं। इसके लिए उन्होंने सीएम योगी को धन्यवाद ज्ञापित किया। कस्तूरबा कन्या इंटर कॉलेज की छठवीं कक्षा की छात्रा शिवांशी विश्वकर्मा ने सीएम योगी को संस्कृत में अपना परिचय दिया।

बांदा में दर्दनाक हादसाः केन नदी में डूबे पांच बच्चे, चार की मौत

बांदा। बांदा जिले में पैलानी थाना क्षेत्र में दर्दनाक हादसे में पांच बच्चे नदी में डूब गए। गुरगवां गांव के पास केन नदी में पांच बच्चे नहा रहे थे। कुछ देर में सभी बच्चे अचानक डूबने लगे। मौके पर चीख-पुकार सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने बचाने का प्रयास किया। इस दौरान चार बच्चे निकाल लिए गए, जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं, एक बालक का पता नहीं चला है। जानकारी के अनुसार, गांव के पास ही रहने वाले विवेक उर्फ कन्नू पुत्र राम शरण अपने साथियों सूर्यांश, लवलेश, विजय, लक्ष्मी के साथ केन नदी में नहाने गया था। अचानक बहाव तेज होने पर बच्चे संभल नहीं पाए। बच्चे बचने के लिए किनारे आने का प्रयास करने लगे, लेकिन वह खुद को डूबने से बचा नहीं सके। उन्होंने मदद के लिए आवाज लगाई। आसपास के लोग दौड़कर पहुंच गए और फिर उनको बचाने का प्रयास किया। चार बच्चों को तो नदी से निकाल लिया गया, लेकिन एक बच्चा अभी ढूंढा नहीं जा सका है। वहीं, जो बच्चे रेस्क्यू कर निकाल लिए गए हैं, उन्हें जिला अस्पताल बांदा भेजा जा रहा है। इस घटना से गांव में कोहराम मचा हुआ है और मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटनास्थल पर एसडीएम पलानी शशि भूषण मिश्रा, पुलिस अधीक्षक बांदा, सीओ सदर अंबुजा त्रिवेदी सहित समूचे थाना क्षेत्र का फोर्स मौके पर उपस्थित हैं।

चीन के नक्शा विवाद पर थरूर ने विदेश मंत्री जयशंकर का किया समर्थन, बोले- हम ऐसा क्यों नहीं कर सकते?

नई दिल्ली। चीन द्वारा हालिया जारी किए गए अपने आधिकारिक नक्शे में अरुणाचल प्रदेश और अक्साई चिन को अपना हिस्सा दिखाए जाने पर भारत में नाराजगी है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन के दावे को खारिज करते हुए कहा कि यह नई बात नहीं है और इससे कुछ नहीं बदलने वाला। अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने भी विदेश मंत्री के बयान का समर्थन किया है लेकिन सवाल भी उठाया है कि अगर चीन ऐसा कर रहा है तो हम क्यों नहीं कर सकते? थरूर ने कहा कि भारत को भी वन चाइना पॉलिसी को समर्थन देना बंद कर देना चाहिए। थरूर ने कहा कि 'चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा दिखाने पर भारत ने विरोध किया है। डॉ. जयशंकर सही कह रहे हैं कि यह चीन की पुरानी आदत है। उसकी ये भी आदत है कि वह हमारे विरोध प्रदर्शन को नजरअंदाज करता है तो क्या हमें इस बात को यहीं छोड़ देना चाहिए?'

थरूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि 'क्या हम अपनी नाराजगी दिखाने के लिए कुछ नहीं कर सकते? क्यों ना हमें भी चीनी पासपोर्ट धारक तिब्बत के लोगों के लिए भी स्टेपल वीजा जारी करने शुरू कर देने चाहिए? साथ ही हमें वन चाइना पॉलिसी को समर्थन देना भी बंद कर देना चाहिए।' बता दें कि जब चीन के विवादित नक्शे को लेकर भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस.जयशंकर से सवाल किया गया था तो उन्होंने कहा कि इसमें कुछ भी नया नहीं है। यह चीन की पुरानी आदत है। इसकी शुरूआत 1950 से ही हो गई थी। सिर्फ अपने नक्शे में उन क्षेत्रों को शामिल करना, जो भारत का हिस्सा हैं...मुझे लगता है कि इससे कुछ भी बदलने वाला नहीं है। विदेश मंत्री ने चीन के नए नक्शे को बेतुका बताया और कहा कि सिर्फ ऐसे बेतुके दावे करने से दूसरे लोगों की जमीन आपकी नहीं हो जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विदेश मंत्री ने कहा कि हम इसे लेकर साफ हैं कि हमारे क्षेत्र क्या हैं। यह सरकार इसे लेकर भी साफ सोच रखती है कि अपने क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए हमें क्या करना चाहिए। आप हमारी सीमाओं पर इसे देख भी सकते हैं और इसमें कोई शक नहीं होना चाहिए।

हिंदुत्व ही है विश्व की सारी समस्याओं का हल : मुकुल कानिटकर

राष्ट्र रक्षा के संकल्पों का पर्व है यह पर्व, कार्यकर्ताओं और स्वयं सेवकों ने एक दूसरे को बांधा रक्षासूत्र

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ
प्रयागराज
रक्षाबन्धन उत्सव

प्रखर प्रयागराज। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की ओर से बुधवार को प्रयाग संगीत समिति के प्रेक्षागृह में आयोजित रक्षा बंधन उत्सव में विचार व्यक्त करते हुए मुख्य वक्ता के रूप में मुकुल कानिटकर ने कहा कि विश्व की सारी समस्याओं का निदान हिंदुत्व है। हिंदुत्व की पुनः प्रतिष्ठा करने का हमें संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि हम ईश्वर तक पहुंचने के सभी मार्गों का सम्मान करते हैं। इसीलिए विश्व को हिंसा से बचाने में हिंदुत्व ही समर्थ है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार टोली सदस्य मुकुल कानिटकर ने कहा कि आज विश्व में परिवार बिखर रहे हैं, जबकि भारत में परिवार का रूप बदल रहा है। आर्थिक आवश्यकताओं के अनुरूप उसमें विस्तार हो रहा है। परिवार प्रणाली भारत की विश्व को अनमोल देन है। विकसित देशों में विवाह से अधिक तलाक होते हैं। हमारी भारतीय भाषाओं में तलाक शब्द है ही नहीं। हम ईश्वर तक पहुंचने के सभी मार्गों का सम्मान करते हैं। इसीलिए विश्व को हिंसा से बचाने में हिंदुत्व ही समर्थ है। उन्होंने स्वयंसेवकों का आह्वान किया कि वह विश्व गुरु भारत को सर्वोच्च पद पर स्थापित करने के लिए अपनी आहुति देने के लिए तैयार रहें। कार्यक्रम में विभाग संघ पदाधिकारी डा. विश्वनाथ लाल निगम एवं प्रो. कृष्ण पाल सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर प्रांत प्रचारक रमेश, विभाग प्रचारक आदित्य, सह प्रांत प्रचारक मुनीश,डा. एमजे त्रिपाठी, प्रो. राज बिहारी, सांसद केशरी देवी पटेल, मेयर गणेश केसरवानी,अवधेश चंद्र गुप्ता डा. कीर्तिका अग्रवाल, विक्रमजीत सिंह भदौरिया, आदि लोग मौजूद रहे।

कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी को मिली राहत, लोकसभा समिति ने निलंबन रद्द किया

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी बुधवार (30 अगस्त) को लोकसभा की विशेषाधिकार समिति के सामने पेश हुए। विशेषाधिकार समिति ने संसद से अधीर रंजन के निलंबन को रद्द करने के लिए सर्वसम्मति से प्रस्ताव को पारित किया। समिति के सामने पेश होने के बाद अधीर रंजन ने लोकसभा में की गई अपनी टिप्पणियों को लेकर खेद जताया, जिसके बाद समिति ने निलंबन रद्द करने का प्रस्ताव पारित किया। चौधरी को मानसून सत्र के आखिरी दिन 11 अगस्त को संसद से निलंबित कर दिया गया था। अधीर रंजन ने बीजेपी सांसद बीजेपी सांसद सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता वाली समिति से कहा कि उनकी किसी की भी भावनाओं को ठेस पहुंचाना उनका इरादा कभी नहीं था। विशेषाधिकार समिति के एक सदस्य ने कहा, "समिति ने लोकसभा से अधीर रंजन चौधरी के निलंबन को रद्द करने के लिए एक प्रस्ताव पारित है। यह प्रस्ताव जल्द से जल्द लोकसभा अध्यक्ष को भेजा जाएगा।" मानसून सत्र के दौरान केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने अधीर रंजन के संसद में बुरे व्यवहार का हवाला देकर उनके निलंबन की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पेश किया था। दरअसल, अधीर रंजन चौधरी पर आरोप लगाया गया था कि मानसून सत्र के दौरान जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री संसद को संबोधित कर रहे थे तो उन्होंने बुरा आचरण किया था। केंद्र सरकार के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के नामंजूर होते ही सरकार ने अधीर रंजन चौधरी के खिलाफ निलंबन का प्रस्ताव पेश किया था, जो निचले सदन में ध्वनि मत से पारित हो गया था।

मुरैना की चेरी फैक्ट्री में जहरीली गैस का रिसाव, 5 मजदूरों की मौत

मुरैना। मध्य प्रदेश के मुरैना की एक फैक्ट्री में जहरीली गैस का रिसाव होने से बड़ा हादसा हो गया। यहां फैक्ट्री में काम कर रहे पांच मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक मजदूरों के शवों को मुरैना अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उल्लेखनीय है कि 12 अगस्त को बालाघाट के लामता क्षेत्र में स्थित देवसर्रा जल संयंत्र के क्लोरीन टैंक से क्लोरीन गैस के रिसाव से हड़कंप मच गया था। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई। बताया जा रहा है कि पांच मजदूरों की मौत केमिकल से भरे गड्ढे में गिरने से हुई है। इस घटना में मरने वाले पांच में से तीन सगे भाई थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह चेरी फैक्ट्री धनेला गांव के पास स्थित है। इस फैक्ट्री में 35 वर्षीय रामकिशन गुर्जर, 40 वर्षीय रामकिशन, 30 वर्षीय रामकिशन, 40 वर्षीय बद्री गुर्जर और 28 वर्षीय मुन्नी सिंह काम कर रहे थे। काम के दौरान अचानक पांचों मजदूर केमिकल से भरे गड्ढे में जा गिरे। जब तक उन्हें गड्ढे से निकाला जाता तब तक सभी की दर्दनाक मौत हो चुकी थी। फिलहाल फैक्ट्री को बंद कर दिया गया है। बता दें कि मरने वालों में तीन सगे भाई टिकटोली गांव के निवासी थे। घटना की सूचना मिलने के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है।

समरसता और समानता का पर्व है रक्षाबंधन : रमेश जी

प्रखर फूलपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ फूलपुर नगर के तत्वावधान में मंगलवार को बौड़ई स्थित जिला कार्यालय पर आयोजित रक्षाबंधन उत्सव को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता काशी प्रांत प्रचारक रमेश जी ने कहा कि रक्षाबंधन समरसता, समानता के भाव के साथ व्यवहार करने का सन्देश देता है। भारत पर्वों का देश माना जाता है यहाँ का हर दिन पावन होता है। भारत को भारत बनाने व बचाने में ऋषियों मुनियों की जितनी भूमिका रही ही है उससे कमतर भूमिका यहाँ के पर्व और त्योहारों की नही है ये पर्व और उत्सव न होते तो यह देश 1300 वर्षों की गुलामी के कारण छिन्न भिन्न हो जाता। उन्होने कहा कि सबसे प्राचीन हमारा राष्ट्र, जो सनातन परंपरा का ध्वजवाहक और सामर्थ्यवान राष्ट्र था। यह पराधीन हो गया लेकिन इसकी उत्सवधर्मिता के कारण पराधीनता में भी हमने अपनी परंपराओं को नही छोड़ा। पर्व संस्कारों को जोड़े रखने का कार्य करते है और इतिहास के अनछुए प्रश्नों की ओर ले जाते हैं। उन्होने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व सिर्फ भाई बहनों के संदर्भ में ही नही है बल्कि पौराणिक घटनाओं से जुड़ा हुआ है। आसुरी शक्तियों से रक्षा के लिये इंद्राणी ने इन्द्र को, द्रौपदी ने योगेश्वर श्रीकृष्ण को जो रक्षा सूत्र बांधे थे, ये वही रक्षाबंधन है। संघ इस पर्व को राष्ट्र रक्षा के निमित्त मनाता है। जो संदेश देता है एक दूसरे की रक्षा करना, देश, समाज, धर्म, संस्कृति, राष्ट्र, परिवार की रक्षा करना। अध्यक्षता करते हुए एके श्रीवास्तव ने कहा कि संघ की कारण ही आज देश में व्यापकरूप से सकारात्मक परिवर्तन हुए है।

भारत माता की जय
स्वयमेव मृगेन्द्रता
राष्ट्रीय स्वयंसेवक
फूलपुर, गंगापार - प्रय
क्षा बन्धन
का हार्दि स्वागत एवं

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ
रक्षा बन्धन उत्सव

जिनकी कल्पना भी नही की गई थी वे सब बातें साकार हो रही है। कार्यक्रम में स्वयंसेवको ने भगवा ध्वज व एक दूसरे को रक्षा सूत्र बांधा। इस अवसर पर बेचन सिंह, प्रेम सागर, यशवंत, शोभनाथ चौरसिया, मदन, रवि पाण्डेय, सुभाष, गजानन पाण्डेय, अमरनाथ यादव, विपेन्द्र सिंह पटेल, सुरेश विश्वकर्मा, गौरीशंकर, डा.आत्माराम, विद्या रत्न आदि उपस्थित रहे। संचालन उमा चरण ने किया।

अमेजन के सीनियर मैनेजर की हत्या, एक घायल, आधी रात 5 युवकों ने बरसाई गोलियां

DELHI POLICE

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में बदमाशों के हौसले बुलंद हैं। दिल्ली का भजनुपुरा इलाका मंगलवार देर रात गोलियों की तड़तड़ाहट से थर्रा गया। पांच बदमाशों ने दो लोगों पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। गोली लगने से अमेजन कंपनी के सीनियर मैनेजर की मौत हो गई, जबकि दूसरा शख्स गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना भजनपुरा के गली नंबर 8 के पास हुई है। जानकारी के अनुसार, देर रात हरप्रीत गिल (36) पुत्र करनैल सिंह निवासी सी-35, गली नंबर 1, भजनपुरा और गोविंद सिंह (32) पुत्र बसंत सिंह निवासी सी-35, गली नंबर 1. भजनपुरा बाइक पर गली नंबर 8 के पास थे, इसी दौरान एक स्कूटी और एक बाइक पर सवार पांच लड़कों ने उन्हें रोक लिया। हमलावरों ने उन पर गोलियां बरसा दीं और मौके से भाग गए। घायलों को आनन-फानन अस्पताल ले जाया गया। यहां हरप्रीत गिल को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हरप्रीत गिल अमेजन में सीनियर मैनेजर था। जबकि गोविंद सिंह को गंभीर हालत में एलएनजेपी रेफर किया गया है। गोविंद सिंह हंग्री बर्ड के नाम से मोमो की दुकान चलाता है। फिलहाल पुलिस इलाके के सीसीटीवी खंगाल रही है। साथ ही अपराधियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। गोलीबारी की घटना के पीछे की असली वजह का पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी है।

संपादकीय

50 लाख के मकान में 18 लाख का प्रत्यक्ष टैक्स?

केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा मकान निर्माण में उपयोग होने वाले सभी वस्तुओं पर भारी टैक्स लगा दिया गया है। जिसके कारण मकानों की कीमत साल दर साल लगातार बढ़ती ही जा रही है। हाल ही में राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद के अध्यक्ष राजन बंदेलकर ने सरकार से कहा है, कि सस्ते मकान बनाना अब भारत में संभव नहीं है। मकानों पर लगने वाले टैक्स को हटाने और कम करने की जरूरत है। वर्तमान में यदि 50 लाख रुपए का मकान जो बाजार में बिक रहा है। उसमें लगभग 18 लाख रुपए का टैक्स लग रहा है। जिसके कारण मकान की कीमत दिनोंदिन लगातार बढ़ती ही जा रही है। बंदेलकर के अनुसार जमीन खरीद से लेकर कंस्ट्रक्शन करने में कच्चा माल और बिक्री पर लगने वाला जीएसटी और केंद्र एवं राज्य सरकारों के विभिन्न कर, स्थानीय प्रशासन द्वारा अनुमति दिए जाने के पूर्व शुल्क, तरह-तरह के टैक्स लगने से मकानों की कीमत बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। पिछले एक दशक में रेत, गिट्टी, सीमेन्ट, लोहा से लेकर स्टांप ड्यूटी, जीएसटी और स्थानीय करों के कारण मकान निर्माण की लागत लगातार बढ़ती ही जा रही है। जिसका असर खरीदारों पर अब स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। महंगी कीमतों के कारण अब आम आदमी मकान नहीं खरीद पा रहा है। राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद के अध्यक्ष का कहना है कि बिल्डर का मार्जिन आज भी सिंगल डिजिट में है। लेकिन मल्टीप्ल टैक्स डबल डिजिट में आम आदमियों को देना पड़ रहे हैं। सस्ते मकान का सपना अब लगता है, जनता के लिये सपना ही रहेगा। लगभग 30% से ज्यादा टैक्स आम आदमियों को भवन निर्माण की सामग्री खरीदने और उनकी विभिन्न शुल्कों को अदा करने पर देना पड़ रहा है। पिछले वर्षों में लगातार रेत, गिट्टी, सीमेंट और अन्य समान के रेट भारी टैक्सों के कारण बढ़ते ही जा रहे हैं। बैंक से कर्ज लिए मकान खरीदना खरीदार के लिये संभव नहीं होता है। मकान खरीदने के बाद बैंक में ब्याज के रूप में आम आदमी को लाखों रुपए भरने पड़ रहे हैं। वर्तमान स्थिति में जिस तरह का टैक्स और ब्याज आम आदमियों को मकानों पर लग रहा है। उसके कारण अब मकान के खरीददार बाजार से गायब हो रहे हैं। रियल स्टेट का अरबों-खरबों रुपए जमीन और मकानों में फंस गए हैं। बिल्डर्स को अब खरीदार नहीं मिल रहे हैं। रियल स्टेट का कहना है, कि सरकार टैक्स को घटाएं। सस्ते मकान मध्य और निम्न वर्ग को उपलब्ध हों, इस दिशा में प्राथमिकता के साथ सरकार के लिये निर्णय लेने की जरूरत है। भारी टैक्सों के कारण अब लोगों के लिये मकान खरीदना उनकी क्रय शक्ति में शामिल नहीं है। महंगाई एवं बेरोजगारी का असर रियल स्टेट पर स्पष्ट रूप से बड़ रहा है। जिन्होंने मकान खरीदे हैं। वह अपनी ईएमआई नहीं चुका पा रहे है। बैंक नीलामी से मकानों को बेचने की कोशिश करते है। नीलामी में बैंकों को खरीददार नहीं मिल रहे हैं। बैंकों का भी अरबों रूपयों हाउसिंग लोन में डूब रहा है। जिन बिल्डरों ने बैंक से कर्ज लेकर आवास बनाये है। वह भी नहीं बिक पा रहे हैं। बिल्डर भी बैंकों में डिपाल्टर हो रहे है। सरकार को त्वरित रूप से मकानों की लागत को कम करने लिये टेक्स एवं शुल्क घटाने होंगे। समय रहते यह नहीं किया गया तो स्थिति बड़ी विकराल हो सकती है।

कोटा में कोचिंग से कैसे बचे?

बात अपने बचपन की करते हैं जब हम लोग सरकारी प्राथमिक स्कूल में पढ़कर हीगेटर सेकेंडरी स्कूल से गणित विषय में पास होकर जीव विज्ञानं लेकर बी ऐस सी प्रथम वर्ष पास कर चिकित्सा क्षेत्र में आकर चिकित्सक बना और प्रथम श्रेणी अधिकारी से सेवा निवृत्त हुआ और अब सेवा निवृत्ति का जीवन यापन कर रहा हु। मेरी कुल पढाई में मात्र दोहजार पांच सौ रुपये खरच हुए और डॉक्टर बन गए। उस समय हमारे कॉलेज स्कूल में अध्ययन अध्यापन नियमित हुआ करता था और घरों में अनुशासन रहता था। जीवन में सबको दिन रात में चौबीस घंटे मिले हैं और उनका विभाजन हम इस प्रकार करे --८ घंटे कॉलेज स्कूल में पढाई, आठ घंटे सोना, चार घंटे खेल कूद के बाद चार घंटे यदि ईमानदारी से पढाई नियमित करे तो बहुत सीमा तक सफलता मिल सकती हैं। हमारे जमाने में टूशन पढ़ने वाले छात्र कमजोर और गधे समझे जाते थे, अब कोचिंग एक प्रतिष्ठा मानी जाने लगी। नियमित चार घंटे को विभाजित कर सब विषयों के नोट्स बनाये और लेखन क्रिया करे जिससे अक्षरों में सुधार के साथ हमेशा के लिए अपनी याद में रहेगा, आजकल गणित विषय पढ़ा जाता हैं उसका अभ्यास नहीं करते, इसके बाद जो पढाई स्कूल कॉलेज में हुई उसको नित्य पूरा कर कल क्या पढ़या जायेगा उसका हल्का फुल्का देखकर जाए और इसके बाद हर सप्ताह जितनी पढाई हुई हैं उसका रिवीजन करे। यह सब काम घर और कॉलेज में किया जा सकता हैं। जितना पैसा कोचिंग में खर्च करते हैं उसका उपयोग फल मेवा और पौष्टिक आधार पर खर्च करेंगे तो आपको निराशा के साथ आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता आएँगी।। एक विचारणीय बिंदु यह भी हैं, मानलो हर छात्र की पढाई का खरच ६ हजार रूपयाप्रति माह हैं यानी दो सौ रूपया रोज ,यानि २४ घंटे में २०० रूपया, एक घंटे का व्यय १० रूपया ,यदि वह छात्र कोचिंग के अलावा गप्पे, करना, पिक्चर देखना, सोना, पढ़ाई में खर्च करता हैं यानी वह एक घंटे का खर्च १० रूपया करता हैं। यदि इस आर्थिक गणित को समझे और धन का मूल्य समझे तो बहुत कुछ प्राप्त किया जा सकता हैं। आज यह कहना हैं की प्रतिस्पर्धा के साथ पढाई बहुत हैं। पढाई आपके के कोर्स से ही आएंगी अलग से कुछ नहीं होता। आज कोटा किस जाते हैं पढ़ने, सीखने या मरने। ,लाखों रूपया खर्च कर सुबह से शाम तक लगभग १२ घंटे पढाई करना उसके बाद थकने के कारण आराम करना, खाना खाना और सोना ,रिवीजन करने का समय नहीं। हर दिन ,हर सप्ताह टेस्ट परीक्षा होने से उसमे सफल अंक नहीं मिलने पर निराशा ,कच्ची उम्र के लड़के लड़किया अकेले हॉस्टल में रहना ,जैसा भी खाना मिले खाओ और यदि गलत संगत मिल गयी तो झूठ का सहारा लेकर अपनी पढाई करना। और फिर निराशावादी होकर अवसाद तनाव में रहना और लगातार स्थिति होने पर आत्महत्या करना। माता पिता अपने सामने अपनी संतानों को अनुशासन में रखकर पढ़ाये और यदि उचित समझे स्थानीय स्तर पर कोई मार्गदर्शक से मार्गदर्शन लिया जा सकता हैं। इसके साथ बच्चों को अनुशासन में रखकर नियमित उतनी लगन से पढ़ाई करेंगे तो ऐसी कोई भी कठिनाई नहीं होंगी। अनुशासन ,नियमितता ,अभ्यास से संभव हैं। ऐसा नहीं हैं की काबुल में घोड़े ही घोड़े होते हैं ,गधे नहीं होते। यदि कोटा में पढ़ने वालों की संख्या और सफल होने वाले बच्चों का प्रतिशत कितना हैं तो मात्र ५ प्रतिशत होता हैं ,उन पर खर्च लाखों रुपयों के खरच और तनाव झेलना पड़ता हैं। प्रतिस्पर्धा में सफलता की लालच के कारण अंधी दौड़ में दौड़ कर अपना भविष्य बनाने मरगजाल में फंस कर अपना अंत कर लेते हैं। यदि उपरोक्त साधनो का उपयोग करके घर में सुख साधन रहकर उच्च अध्ययन कर सकते। बस नित्य अध्ययन ,अनुशासन और आत्म नियंत्रण से सफलता आपके कदम छू सकती हैं।

ब्रिक्स का विस्तार किये जाने से दुनिया में संतुलन कायम हो सकेगा

ललित गर्ग

ब्रिक्स समिट दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में काफी सफल एवं निर्णायक रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समिट में महत्वपूर्ण मुद्रा में दिखाई दिये। उन्होंने एक बार फिर इसके विस्तार की बात की और सदस्य देशों से भी आग्रहपूर्ण ढंग से दबाव बनाया कि कि ब्रिक्स का विस्तार होना चाहिए। ब्रिक्स यानी बी से ब्राजील, आर से रूस, आई से इंडिया (भारत), सी से चीन और एस से दक्षिण अफ्रीका- ये दुनिया की पांच सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों का एक समूह है जिसमें अब छह देशों की सदस्यता देने पर सहमति बनी है, जिसमें सउदी अरब, यूएई, मिस्त्र, इथोपिया, अर्जेंटीना और ईरान शामिल हैं। इन शक्ति सम्पन्न पांचों देशों का वैश्विक मामलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव है और दुनिया की लगभग 40 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। चीन इसे अपने हित के लिए इस्तेमाल करना चाहता है, जबकि भारत इसे सही मायनों में लोकतांत्रिक संगठन बनाना चाहता है। भारत चाहता है कि ब्रिक्स समूह मिलकर दुनिया में शांति, सह-जीवन, अहिंसा, लोकतांत्रिक मूल्य, समानता एवं सह-अस्तित्व पर बल देते हुए दुनिया को युद्ध, आतंक एवं हिंसामुक्त बनाया जाये।

फिलहाल दुनिया की 40 प्रतिशत आबादी ब्रिक्स देशों में रहती है। एक क्वार्टर दुनिया की जीडीपी ब्रिक्स में है। इन्हीं सब वजहों से दुनिया के देशों को यह आकर्षित करता है और अभी फिलहाल 22 देशों ने इसका सदस्य बनने के लिए आवेदन किया है। भारत का मानना था कि समान सोच वाले देशों को साथ लेकर चला जा सकता है। आने वाले समय में ब्रिक्स दुनिया की आधी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने लगेगा। रूस और चीन की यह मंशा कही जा रही थी कि अमेरिका या पश्चिम को यह संदेश दिया जा सके कि पश्चिमी दुनिया को ब्रिक्स चुनौती देगा। निश्चित ही ब्रिक्स की ताकत से एक संतुलन स्थापित हो रहा है और पश्चिमी देशों के अहंकार एवं दुनिया पर शासन करने की मंशा पर पानी फिरा है। हमारा भविष्य सितारों पर नहीं, जमीन पर निर्भर है, वह हमारा दिलों में छिपा हुआ है, दूसरे शब्दों में कहें तो हमारा कल्याण अन्तरिक्ष की उड़ानों, युद्ध, आतंक एवं शस्त्रों में नहीं, पृथ्वी पर आपसी सहयोग, शांति, सह-जीवन एवं सद्भावना में निहित है। वसुधैव कुटुम्बकम का मंत्र इसलिये सारी दुनिया को भा रहा है। इसलिये बदलती हुई दुनिया में, बदलते हुए राजनैतिक हालात में सारे देश एक साथ जुड़ना चाहते हैं।

अब ब्रिक्स देशों में छह नए देशों के शामिल हो जाने से ब्रिक्स देशों की वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सेदारी 26 प्रतिशत हो जाएगी। ब्रिक्स के विस्तार का उद्देश्य पश्चिमी देशों के प्रभुत्व वाली वैश्विक व्यवस्था में एक काउंटरवेट के रूप में उभरना है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की पेचीदगी कह लीजिए या खूबसूरती, इसमें कदम-कदम पर विडंबनाएं और विरोधाभास देखने को मिलते हैं। सोचिए, एक तरफ चीन से मुकाबले के लिए भारत और अमेरिका साथ आए हैं, तो दूसरी तरफ ब्रिक्स में चीन और भारत, उन पश्चिमी देशों के दबदबे के खिलाफ एकजुट हैं जिनका प्रतिनिधित्व अमेरिका करता है। ब्रिक्स (ब्राजील, भारत, चीन, रूस व दक्षिण अफ्रीका) का संगठन ऐसा सपना है जिसे भारत रत्न स्व. प्रणव मुखर्जी ने भारत के विदेश मन्त्री के तौर पर 2006 में देखा था। सितम्बर 2006 में संयुक्त राष्ट्र महासंघ की साधारण सभा में भाग लेने गये प्रणव दा ने तब इस सम्मेलन के समानान्तर बैठक करके भारत, रूस, चीन व ब्राजील का एक महागठबन्धन तैयार किया था जिसे शुरू में ब्रिक कहा गया था। प्रणव दा बदलते विश्व शक्ति क्रम में उदीयमान आर्थिक शक्तियों की समुचित व जायज सहभागिता के प्रबल समर्थक थे और पुराने पड़ते राष्ट्रसंघ के आधारभूत ढांचे में रचनात्मक बदलाव भी चाहते थे। इसके साथ ही वह बहुध्रुवीय विश्व के भी जबर्दस्त पक्षधर थे जिससे विश्व का सकल विकास न्यायसंगत एवं लोकतांत्रिक तरीके से हो सके। अब इसमें इन्हीं महाद्वीपों के छह नये देश शामिल किये गये हैं। अब नरेन्द्र मोदी ने इसमें सराहनीय भूमिका निभाई है। उनके दूरगामी एवं सूझबूझ भरे सुझावों का ब्रिक्स देशों ने लोहा माना है।

ब्रिक्स ने अपने गठन से लेकर अब तक जो तरक्की की है उसकी उपलब्धि इसके क्षेत्रों की वह आपसी समझदारी रही है जिसके तहत उन्होंने आपसी हितों की सुरक्षा करते हुए विश्व को नया शक्ति सन्तुलन चक्र देने का प्रयास किया है। जबकि रूस, यूक्रेन के बीच पिछले डेढ़ वर्ष से चल रहा वह युद्ध है जिसे पश्चिमी देशों के सामरिक संगठन नाटो ने अनावश्यक रूप से पूरी विश्व अर्थव्यवस्था के लिए खतरा बना दिया है। इस युद्ध के चलते पश्चिमी यूरोपीय देशों व अमेरिका ने रूस पर जिस तरह आर्थिक प्रतिबन्ध लगाये हैं उनसे दुनिया के देशों में आपसी कारोबारी भुगतान की नई समस्या ने जन्म लिया है जिसकी वजह से ये देश डॉलर के स्थान पर अपनी-अपनी मुद्राओं में भुगतान की व्यवस्था की सार्थकता को खोज रहे हैं। इसी वजह से ब्रिक्स सम्मेलन की समाप्ति पर दक्षिण अफ्रीका के मेजबान राष्ट्रपति श्री सिरिल रामाफोसा ने घोषणा की कि सम्मेलन में इस बात पर सहमति बनी है कि संगठन के देशों के विदेश मन्त्री व उनके केन्द्रीय बैंकों के गवर्नरों की एक बैठक बुलाकर यह विचार किया जाये कि क्या कारोबारी भुगतान के लिए देश अपनी- अपनी मुद्रा का प्रयोग कर सकते हैं? ऐसी वित्तीय प्रणाली विकसित होने से दुनिया में जिस नये वित्तीय ढांचे का निर्माण होगा उससे इन देशों की अर्थव्यवस्थाएं सीधे प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकेंगी जिसके असर से डॉलर की ताकत को भी झटका लगेगा। ब्रिक्स का विस्तार होने के बाद दुनिया के दूसरे देशों के लोगों को भी विश्व विकास में अपनी हिस्सेदारी के प्रति ज्यादा विश्वास पैदा होगा और यकीन बनेगा कि दुनिया केवल पश्चिमी यूरोप व अमेरिका के बताये गये सिद्धान्तों पर ही नहीं चलेगी बल्कि इसके संचालन में उनकी भूमिका भी उल्लेखनीय होगी क्योंकि विभिन्न आय व मानव स्त्रोतों पर उनका भी हक है। भारत पहले ही साफ कर चुका था कि वह ब्रिक्स के विस्तार के खिलाफ नहीं है। अन्य मुद्दों की तरह इस मामले में भी उसका रुख किसी खास देश या लॉबी के आग्रह या शंका आशंका से नहीं बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों से निर्देशित हो रहा था। ध्यान रहे, भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समेत तमाम वैश्विक संगठनों और मंचों के विस्तार और उनमें समय के मुताबिक सुधार की वकालत करता रहा है। ब्रिक्स के विस्तार के ताजा फैसले से उस एजेंडे को आगे बढ़ाने में आसानी होगी। ब्रिक्स के विस्तार की घोषणा ऐसे समय में हुई है जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव की बातचीत लंबे समय से अटकी हुई है। ब्रिक्स के सदस्य देश चाहते हैं कि यूएनएससी में स्थायी सदस्यता के लिए और अधिक सीटें हों, ताकि पश्चिमी देशों के प्रभुत्व को कम किया जा सके। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स के विस्तार का स्वागत किया है और कहा कि इससे यह संदेश भी जाएगा कि सभी अंतरराष्ट्रीय संस्थानों को बदलते समय और परिस्थितियों के अनुकूल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम मानते हैं कि नए सदस्यों के शामिल होने से ब्रिक्स मजबूत हो जाएगा और हमारी साझा कोशिशों को भी बढ़ावा मिलेगा।

विपक्षी गठबंधन आई.एन.डी.आई.ए. के लिए अब फैसला लेने का समय, अगर-मगर से नहीं बनेगी बात

संतोष पाठक

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में 31 अगस्त और 1 सितंबर को होने जा रही विपक्षी गठबंधन आई.एन.डी.आई.ए. की बैठक विपक्षी एकता के भविष्य के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। विपक्षी नेताओं के लिए मुंबई की यह बैठक फैसला लेने वाली बैठक है क्योंकि अब किंतु-परंतु या अगर-मगर से बात नहीं बनने वाली है। विपक्षी नेताओं को अब एक ठोस स्वरूप में देश की जनता के सामने आना होगा, उन्हें देश की जनता को यह बताना होगा कि वह भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ लोकसभा चुनाव में किस तरह से मिलकर चुनाव लड़ेंगे? चुनाव लड़ने का फॉमूर्ला क्या होगा? विपक्षी गठबंधन का संयोजक कौन होगा? और अगर विपक्षी आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन समितियां का गठन करता है तो इन समितियों की रूपरेखा क्या होगी ? इन समितियों का नेतृत्व कौन करेगा? और सबसे बड़ा सवाल यह है कि विपक्षी गठबंधन का मुद्दा क्या होगा ? क्या विपक्षी गठबंधन एक संयुक्त घोषणापत्र या मिनिमम कॉमन प्रोगाम के आधार पर चुनावी मैदान में नरेंद्र मोदी के खिलाफ हुंकार भरेगा या फिर यह गठबंधन एक ढीला-ढाला गठबंधन होगा जो सीट शेयरिंग तक ही सिमट कर रह जाएगा बल्कि कई सीटों पर भाजपा के खिलाफ आपस में ही फ्रेंडली फाइट लड़ता हुआ नजर आएगा ?

एक बात तो बिल्कुल साफ है कि विपक्षी गठबंधन अभी इस हालत में नहीं है कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ प्रधानमंत्री पद के लिए किसी एक चेहरे को सामने रख पाए लेकिन इसके बावजूद यह बात भी बिल्कुल सत्य है कि अगर विपक्षी गठबंधन को नरेंद्र मोदी जैसे ताकतवर नेता और भाजपा जैसे मजबूत राजनीतिक दल के खिलाफ चुनावी मैदान में उतरना है तो उनके पास एक ठोस चुनावी रणनीति और सीट शेयरिंग का एक सॉलिड फॉमूर्ला होना चाहिए और सीट शेयरिंग का फॉमूर्ला भी ऐसा जिसमें कोई किंतु-परंतु की गुंजाइश न हो। दरअसल, विपक्ष के कई नेता भाजपा के खिलाफ सिर्फ एक उम्मीदवार खड़ा करने की वकालत कर रहे हैं

OPPOSITION PARTIES ME
UNITED WE STAN
17-18 JULY BENGALURU, KARNATAKA

और मुंबई की बैठक में आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन में शामिल सभी विपक्षी राजनीतिक दलों को इस बात का फॉमूर्ला तैयार करना होगा कि भाजपा के खिलाफ लड़ाई में किस राज्य में कौन-सा नेता नेतृत्व करेगा और वह नेता या राजनीतिक दल बाकी राजनीतिक दलों को अपने प्रभाव वाले राज्य में सीट शेयरिंग के किस फामूर्ले के आधार पर एडजस्ट करेगा ?

दरअसल, पटना और बेंगलुरु की बैठक के बावजूद विपक्षी खेमे में अभी तक कई मुद्दों को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। मिलकर चुनाव लड़ने की घोषणा के बावजूद, एक तरफ जहां आम आदमी पार्टी दिल्ली और पंजाब के बाद अब राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है जहां कांग्रेस और भाजपा का सीधा मुकाबला होना है। वहीं इसके साथ ही आम आदमी पार्टी ऐसा संकेत भी दे रही है कि वह बिहार में भी चुनाव लड़ सकती है जहां नीतीश कुमार और लालू यादव अन्य दलों के सहयोग से भाजपा के विजयी रथ को थामना चाहते हैं। अगर आम आदमी पार्टी अपने इस स्टैंड पर अड़ी रही तो निश्चित तौर पर राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में इसका खामियाजा कांग्रेस को भुगतना पड़ेगा और बिहार में थोड़ा बहुत ही सही लेकिन जेडीयू और आरजेडी, दोनों को ही नुकसान झेलना पड़ेगा और इन विपक्षी दलों की आपसी लड़ाई का सबसे ज्यादा फायदा उसी भाजपा को मिलेगा जिसके खिलाफ इन विपक्षी दलों ने मिलकर आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन बनाया है।

इसलिए मुंबई की यह बैठक काफी अहम मानी जा रही है क्योंकि इस बैठक के बाद विपक्षी गठबंधन को एक ठोस फैसले के साथ देश की जनता के सामने आकर यह बताना होगा कि विपक्षी गठबंधन में तमाम मुद्दों को लेकर सहमति बन चुकी है और अब कोई गतिरोध नहीं बचा है। सभी दल मिलकर भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे क्योंकि अगर इन तमाम मुद्दों पर आपसी सहमति नहीं बन पाती है तो फिर देश की जनता में विपक्षी गठबंधन को लेकर एक नकारात्मक राजनीतिक संदेश जाएगा और इसका असर आने वाले दिनों में विपक्षी एकता की मजबूती पर भी नकारात्मक रूप से पड़ता नजर आएगा।

नीरज चोपड़ा ने भारत की खेल प्रतिभा का दुनियाभर में लोहा मनवा दिया है

ललित गर्ग

देश को लगातार मिल रही खुशीभरी खबरों एवं कीर्तिमानों के बीच एक और कीर्तिमान नीरज चोपड़ा ने जड़ दिया। चार दशक में पहली बार विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में किसी भारतीय का देश की झोली में एक दुर्लभ स्वर्ण पदक डालना वाकई नया इतिहास रचने से कम नहीं है। नीरज चोपड़ा का जेवलिन थ्रो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतना सूखे में बरसात की बूंदों के समान ही माना जाएगा। इस रोशनी के एक टुकड़े ने देशवासियों को प्रसन्नता का प्रकाश दे दिया है, संदेश दिया है कि देश का एक भी व्यक्ति अगर दृढ़ संकल्प से आगे बढ़ने की ठान ले तो वह शिखर पर पहुंच सकता है। विश्व को बौना बना सकता है। पूरे देश के निवासियों का सिर ऊंचा कर सकता है। इस ऐतिहासिक एवं यादगार उपलब्धि की खबर जब अखबारों में छपी तो सबको लगा कि शब्द उन पृष्ठों से बाहर निकलकर नाच रहे हैं।

नीरज की एक खिलाड़ी होने की यात्रा अनेक संघर्षों, झंझावातों एवं चुनौतियों से होकर गुजरी है। चंद बरस पहले वह बढ़ते वजन से परेशान एक युवा थे। 13 साल की उमर में उनका वजन 80 किलोग्राम हो गया था जिसकी वजह से उनकी उम्र के दूसरे बच्चे उन्हें चिढ़ाते थे। वहां से शुरू करके नीरज ने न सिर्फ अपने शरीर को साधा बल्कि अपने मन को अनुशासित कर इस तरह से केंद्रित किया कि लगातार आगे बढ़ते रहे, कीर्तिमान गढ़ते रहे। लेकिन उनके पांव जमीन पर हैं और तभी वह भाला फेंकते हैं तो दूर तक जाता है और एक स्वर्णित इतिहास रचता है। तभी अब तक कोई भी एथलीट देश को जो गौरव नहीं दिला पाया था, वह नीरज ने दिलाया है। लेकिन बात सिर्फ इस एक गोल्ड की नहीं है। उनकी इस उपलब्धि के साथ ऐसी कई बातें जुड़ी हैं जो उन्हें खास बनाती हैं। उनको खास बनाने में जहां उनकी लगन, परिश्रम, निष्ठा एवं खेलभावना रही, वहीं साल 2018 में एशियाई खेल और फिर कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड, 2020 में तोक्यो ओलिंपिक्स में गोल्ड, 2022 में वर्ल्ड चैम्पियनशिप में सिल्वर, 2022 में ही डायमंड लीग में गोल्ड और 2023 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड लाने का उनका करिश्मा तो बहुत कुछ कहता ही है, सबसे बड़ी बात यह है कि इस दौरान वह अपने प्रदर्शन में लगातार निखार लाते रहे। उन्होंने भारतीय खेलों को भी दुनिया में शीर्ष पर पहुंचाया है। इस उपलब्धि भरी सुहानी फिजां में सबसे अहम सवाल यह है कि दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश खेलों में वह मुकाम हासिल क्यों नहीं कर पाया जिसका वह हकदार है? क्या हमारे यहां खेल का माहौल नहीं है या फिर सुविधाओं के अभाव में खिलाड़ी आगे नहीं बढ़ पाते। या खेल भी राजनीति के शिकार हैं? ये सवाल इसलिए उठते हैं क्योंकि विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अब तक पदक पाने वाले देशों की सूची में भारत बहुत पीछे है। महज पांच करोड़ की आबादी वाला देश केन्या 65 स्वर्ण पदक के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। वहीं एक करोड़ की आबादी वाला देश क्यूबा विश्व चैंपियनशिप में 22 स्वर्ण पदक अपनी झोली में डाल चुका है। ओलम्पिक खेलों की बात की जाए तो वहां भी भारत का प्रदर्शन निराशाजनक ही रहा है। ओलम्पिक खेलों के 127 साल के इतिहास में हॉकी के अलावा हमें अब तक दो स्वर्ण पदक ही मिले हैं। इनमें एक नीरज चोपड़ा व दूसरा अभिनव बिन्द्रा के नाम ही है। ऐसा नहीं है कि आजादी के बाद देश ने विकास की रफ्तार नहीं पकड़ी हो। हर क्षेत्र में भारत ने प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुआ है। विज्ञान हो या अंतरिक्ष, देश ने दुनिया में अलग पहचान बनाई है। इस समय हम दुनिया की पांचवीं आर्थिक महाशक्ति बन गए हैं। छह दिन पहले ही चांद पर तिरंगा लहराया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कारण विश्व में भारत की बात को महत्त्व दिया जाता है। इन तमाम उपलब्धियों के बीच सवाल यही उठता है कि हम खेलों में पीछे क्यों हैं? क्या इसके लिए खेल संघ जिम्मेदार हैं? खेल संघों पर वर्षों से कब्जा जमाए बैठे राजनेता और नौकरशाह खेल की विकास यात्रा में बाधक तो नहीं बन रहे?

TDK
CHOPRA
BUDAPEST 23

ऐसे समय जब चांद के दक्षिण ध्रुव के पास चंद्रयान उतार कर भारतीय वैज्ञानिक स्पेस एक्सप्लोरेशन के क्षेत्र में अपना झंडा बुलंद कर चुके हैं और शतरंज में प्रग्नानंदा जैसे यंग टैलंट नई उम्मीदें दिखा रहे हैं, नीरज चोपड़ा की यह उपलब्धि न केवल देशवासियों के मनोबल को और ऊंचा करती है बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी निरंतर बेहतर करने का विश्वास और प्रेरणा देती है और आजादी के अमृतकाल को अमृतमय करने का हौसला देती है। नीरज ने 88.17 मीटर की दूरी पर भाला फेंक कर कीर्तिमान स्थापित किया और साबित कर दिया कि भारत की मिट्टी में जन्मे खेलों को यदि खुद भारतवासी ही इज्जत की नजर से देखें तो यह देश कमाल कर सकता है। यदि सच पूछा जाये तो नीरज चोपड़ा भारतीय मूल के खेलों के महानायक बन चुके हैं। उनसे पहले यह रूतबा कुश्ती के पहलवान गुलाम मुहम्मद बख्श उर्फ गामा को ही प्राप्त हुआ है या ओलम्पिक खेलों में शामिल हाकी के खिलाड़ी मेजर ध्यान चन्द के नाम रहा है। नीरज चोपड़ा का योगदान इसलिए बड़ा एवं महान है कि उन्होंने ग्रामीण एवं देशी खेल को विश्व प्रतिष्ठा प्रदान की है। भले ही आर्थिक एवं चकाचौंध वाली सोच के कारण भारत में क्रिकेट का खेल अधिक लोकप्रिय हो, लेकिन खेल की वास्तविक भावना उसमें कहां रही? उसके मुकाबले भाला फेंक जैसे खेल के प्रति अपना जीवन समर्पित करके नीरज ने भारत की नई पीढ़ी को नई दिशा एवं नया मुकाम देने का काम किया और सन्देश दिया कि भारतीय यदि चाहें तो ग्रामीण खेल कहे जाने वाली स्पधाओं को भी विश्व पटल तक पहुंचा सकते हैं। नीरज चोपड़ा जैसे खिलाड़ी हमारे यहां कम नहीं हैं। खिलाड़ियों को समुचित माहौल, प्रशिक्षण और सुविधाएं मिलें, तो वे पदकों का ढेर लगा सकते हैं, नये कीर्तिमान एवं रिकार्ड बना सकते हैं। रिकार्ड सदैव टूटने के लिए होते हैं और टूटना ही प्रगति का प्रतीक है। नीरज शिखर पर हैं तो उसको छूने के प्रयास रुके नहीं। ऊंचा उठने के लिए असीम विस्तार है।

एनआईसी में हुआ मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना का चेक वितरण का सजीव प्रसारण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। एनआईसी कक्ष गाजीपुर में आज दिन बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के लाभार्थी बालिकाओं के साथ संवाद कार्यक्रम एवं योजना के लाभार्थियों को प्रतीक चेक का वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण उपस्थित जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष सरिता अग्रवाल अधिकारियों कर्मचारियों एवं मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के लाभार्थियों एवं अभिभावको ने देखा और सुना।

मुख्यमंत्री ने अपने सम्बोधन में प्रदेश की सभी बहनों को रक्षाबन्धन की हार्दिक शुभकामनाएं एव आशीर्वाद देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार बेटियों एवं महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा, सम्मान एवं स्वास्थ्य को उन्नत एवं समृद्धि बनाने की दिशा में पूरी संवेदनशीलता के साथ विभिन्न योजनाओं के माध्यम से निरन्तर प्रयासरत है, जिसका प्रभाव जमीनी स्तर पर भी दिख रहा है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश के ग्रामीण इलाकों एवं सुदुर क्षेत्रों में भी रहने वाली बालिकाएं शिक्षित हो रही हैं उनके यूनिफार्म, कापी-किताब सहित स्वास्थ्य सम्बंधित योजनओं के माध्यम से कई प्रकार की मुफ्त सुविधाएं सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है। मा0 मुख्यमंत्री जी ने योजना के लाभार्थी बेटियों से सीधा संवाद के दौरान उनके आत्मविश्वास की सराहना किया। उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी की बेटी बचाओं-बेटी पढाओं की सोच को प्रदेश सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से साकार कर रही है, आज प्रदेश में बेटे और बेटियों में किसी भी प्रकार का कोई अन्तर नही रह गया है, बल्कि बेटियां खेल-कूद, शिक्षा सहित अन्य प्रतियोगिता के क्षेत्रों में बालकों से दो कदम आगे है। रक्षाबन्धन के शुभ अवसर पर लोक भवन लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बेटियों ने मुख्यमंत्री की कलाई में राखी बांधी। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की सभी बेटियों एवं बहनों को शिक्षा, सम्मान एवं सुरक्षा देने का वचन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी तक मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत बेटी के जन्म से लेकर उच्च स्तर तक की शिक्षा लेने तक प्रदेश सरकार द्वारा 15 हजार रू0 विभिन्न किश्तों में दिया जाता था जिसे आगामी वित्तीय वर्ष से बढ़ा कर 25 हजार रू0 कर दिया जाएगा। इसी क्रम में जिलाधिकारी आर्यका अखौरी के अध्यक्षता में जनपद के एनआईसी कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष सरिता अग्रवाल , मुख्य विकास अधिकारी द्वारा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के लाभार्थी बेटियों को रक्षा बन्धन के शुभ अवसर पर उपहार स्वरूप डेमो चेक, मिठाई, एवं राखी भेट करते हुए उन्हें रक्षा बन्धन पर्व की हार्दिक बधाई, शुभकामना एवं आशीर्वाद दिया।

खाद्य विभाग ने 6 मिठाई की दुकानों पर छापा मारकर लिए नमूने

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उ0प्र0, लखनऊ एवं जिलाधिकारी महोदय, गाजीपुर के आदेश के क्रम में आर0सी0 पाण्डेय सहायक आयुक्त खाद्यगाजीपुर के निर्देशन में रक्षाबन्धन अभियान चलाकर बुधवार को कुल 06 नमूना संग्रह किया गया, जिसमें टेढ़ीबाजार , गाजीपुर स्थित मे0-ए0एस0 अग्रवाल इण्टरप्राइजेज प्रा0लि0 परिसर से छेना की मिठाई एवं बर्फी का नमूना, कचहरी रोड अफीम फैक्ट्री , गाजीपुर के पास से दूध के दो नमूनें , शादियाबाद तहसील जखनिया गाजीपुर से पनीर एवं बेसन लड्डू का नमूना लिया गया। संग्रहित नमूनें खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला, उ0प्र0 प्रेषित किये जा रहें है। जॉच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के अन्तर्गत अग्रिम कार्यवाही की जायेगी। नमूना संग्रह की कार्यवाही आर0पी0 सिंह, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी गाजीपुर के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों गोपाल चन्द, अवधेश कुमार, समला प्रसाद यादव, गुलाब चन्द गुप्त, राजीव कुमार सिंह एवं विरेन्द्र यादव की टीम द्वारा की गयी।

सर्वेयरों, सुपरवाइजरों एवं वेरीफायरों का प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

प्रखर जौनपुर। जिलाधिकारी अनुज झा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में एग्री स्टेट परियोजना अन्तर्गत डिजिटल क्रोप सर्वे (ई-खसरा पड़ताल) के सम्बन्ध में जनपद के समस्त तहसीलों के चयनित सर्वेयरों, सुपरवाइजरों एवं वेरीफायरों का प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस मौके पर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सर्वे के समय समस्या होने पर निम्न मास्टर ट्रेनरों के नम्बर पर सम्पर्क कर समस्या निस्तारित कर समयबद्ध तरीके से ई-खसरा पड़ताल का कार्य करें। सर्वे के समय निम्नलिखित मास्टर ट्रेनर्स से सम्पर्क कर सकते हैं। ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर प्रतीक उपाध्याय 8299405282, उप परियोजना निदेशक कृषि प्रसार रमेश चन्द्र यादव 9415651776, सदर तहसील के लिये नायब तहसीलदार अजीत जायसवाल 8375980880, नायब तहसीलदार विक्रम पासवान 9910837740, मड़ियाहूं तहसील के लिये नायब तहसीलदार संदीप सिंह 7052058565, मीना गौड़ 9837795888, मछलीशहर के लिए सूरज पटेल नायब तहसीलदार 9936666959, बदलापुर के लिए राजकुमार सोनकर 9415752897, शाहगंज के लिए शैलेंद्र कुमार 9807823172, केराकत तहसील के लिए वीरेंद्र यादव नायब तहसीलदार 9971193668, अमित सरोज 6394767670 पर संपर्क कर एक खसरा पड़ता कार्य संपादित करना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम, मुख्य राजस्व अधिकारी गणेश प्रसाद सहित सभी जनपद एवं तहसील स्तरीय मास्टर ट्रेनर एवं सर्वेयर उपस्थित रहे।

फुवारों के बीच राधा कृष्ण का जल बिहार की झांकी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। वाराणसी में मानस मन्दिर संकट मोचन रोड स्थित त्रिदेव मंदिर में सजी जल विहार की झांकी को भक्तों की मांग को देखते हुए त्रिदेव मंदिर मे वृंदावन के मोहक फूल बंगले के बीच विशाल झील में फुहारों के बीच राधा कृष्ण के जल विहार की झांकी भक्तों के लिए यादगार बन गई ` हिम शिवलिंग के साथ राम, लक्ष्मण ,सीता, हनुमान के साथ फूलों से बने झूले पर राधाकृष्ण की झांकी निहारने के लिए भक्तों का रेला उमड़ पड़ा राणी सती के अलावा सालासर हनुमान और खाटू वाले श्याम प्रभु के श्रृंगार के दर्शन के साथ त्रिदेवों को छप्पन भोग अर्पित किया गया भक्तों में वितरण हुआ` त्रिदेव मंदिर के अध्यक्ष भरत सराफ मंत्री राधे गोविंद केजरीवाल ने संयुक्त रूप से तीनों विग्रहों की पूजा की कामिनी की पत्ती रजनीगंधा आरकीड गुलाब की पंखुड़ियों से बनी गुफा देखने के लिए भक्तों की भीड़ लगी रही वृंदावन का फूल बंगला लुभावना था मंदिर को रंग बिरंगी लाइटों से सजाया गया` 60 फीट चौड़ी झील में फुहारों के बीच रंग-बिरंगे झूले पर राधा कृष्ण की जलविहार की झांकी हर किसी के लिए आकर्षक का केंद्र बनी रही कबूतर बगुला हंस झील में विचरण करते नजर आए हिम शिवलिंग वह राम, लक्ष्मण ,सीता, हनुमान के दर्शन के लिए मंदिर के परिक्रमा पथ पर 300 बर्फ की सिल्लियां बिछाई गई थी मंदिर परिसर में चारों तरफ हरियाली के बीच फुहारों व झरनों के नीचे 12 ज्योतिर्लिंग विराजमान थे ` संयोजक में भरत सराफ ,राधे गोविंद केजरीवाल, अनूप सराफ ,पवन अग्रवाल ,एमपी सुरेश तुलस्यान ,अनूप पोद्दार, मुन्ना केजरीवाल, प्रदीप केजरीवाल , राम बूबना, विजय मोदी ,सज्जन सिंघी, राकेश देवड़ा ,प्रकाश थानेवाल, सुनील अग्रवाल ,सुमित सिंथोलिया, विजय खेमका ,मनीष गिनोडिया व त्रिदेव मंदिर सेवक परिवार के सभी सदस्यगण शामिल रहे।

रोटरी गंगा द्वारा पाणिनी कन्या में बहनों से बधवाई गयी राखी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रोटरी क्लब वाराणसी गंगा द्वारा 30 अगस्त बुधवार को रक्षाबंधन के पर्व पर पाणिनी कन्या महाविद्यालय, महमूरगंज में रोटेरियन सदस्यों ने वहां की 160 छात्राओं द्वारा राखी बंधवाई गई सभी बहनों ने रोटेरियन सदस्यों की आरती उतारी एवं राखी बांधी, रोटरी सदस्यों ने उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया और टीका के उपरांत उन्हें आशीर्वाद स्वरुप भेद दी गई` छात्राओं द्वारा मंगलाचरण का पाठ, स्वागत गीत, कजरी गीत एवं सर्व धर्म प्रार्थना की प्रस्तुति की गई` समारोह के मुख्य अतिथि राजेश अग्रवाल सहायक नगर आयुक्त राजेश अग्रवाल रहे उन्होंने कहा कि आज का पर्व भाई अपनी बहनों को रक्षा का वचन देता है और बहन उन्हें उनके उज्जवल भविष्य की कामना करती हैं इसी को हम सभी रक्षाबंधन कहते हैं` सम्मानित अतिथि असिस्टेंट गवर्नर, संदीप गुप्ता ने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व एक ऐसा पर्व है जिसमें बहन भाइयों की खुशी के लिए भगवान से वरदान मांगती हैं और भाई बहनों की खुशी के लिए वचन देता है और कहता है कि तुम्हारे लिए हर समय हर पल हम सुख-दुख सभी में बराबर साथ देंगे ` सभा का संचालन करते हुए चार्टर अध्यक्ष एवं क्लब ट्रेनर दीपक अग्रवाल ने कहा कि पाणिनी कन्या महाविद्यालय एक ऐसा स्थल है जहां बच्चों को भारतीय संस्कृति के अनुसार संस्कृत की शिक्षा एवं गुरुकुल की शिक्षा अच्छी प्रकार प्रदान की जाती है और मैं यहां के संचालिकाओं को इस पुनीत कार्य के लिए बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं` प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष रोटेरियन अशोक अरोड़ा द्वारा किया गया` रक्षाबंधन कार्यक्रम का संयोजन सचिव मनीष चौधरी एवं धर्मेंद्र गोयल के नेतृत्व में गोविंद अग्रवाल बॉबी , पुनीत बंसल , राकेश कुमार वर्मा , सुजीत केसरी , डॉ. रितु गर्ग, विनोद अग्रवाल , विवेक केसरी ,अमित सोनी , बिंदेश्वरी जायसवाल , मनीष गुप्ता , श्याम केसरी द्वारा किया गया` धन्यवाद प्रकाश श्याम किशोर अग्रवाल द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के लाभार्थियों संग संवाद कार्यक्रम आयोजित

प्रखर जौनपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के लाभार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन लोक भवन लखनऊ से हुआ जिसका सजीव प्रसारण जौनपुर में आयोजित हुआ जिसका जनपदीय कार्यक्रम जिला सूचना विज्ञान कार्यालय के कांफ्रेंस हाल में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी अनुज झा ने करते हुये बच्चियों से बातचीत कर उन्हें अच्छी शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया और उनके प्रश्नों का जवाब दिया। मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम ने कहा कि अपने लक्ष्य निर्धारित करते हुए लक्ष्य प्राप्ति हेतु कठिन परिश्रम करें। जिला प्रोबेशन अधिकारी विजय पाण्डेय ने सभी बच्चियों को रक्षाबंधन की बधाई देते हुये उपहार स्वरूप मिठाई का पैकेट दिया। साथ ही यह वचन दिया कि आपकी पढ़ाई में आने वाली किसी भी समस्या आपके साथ हूं।

मानवी मिश्र व स्नेहा ग्रुप ने मारी बाजी

प्रखर सिकरारा (जौनपुर)। छात्राओं में छिपी बहुमुखी प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से मां शारदा इंटरमीडिएट बालिका विद्यालय खानापट्टी में बुधवार को मेहंदी रचाओ व राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मेहंदी प्रतियोगिता मे मानवी मिश्रा ने तो राखी बनाओ प्रतियोगिता मे स्नेहा ग्रुप ने बाजी मारी। मेंहदी प्रतियोगिता मे अरेबियन व दुल्हन डिजाइन की धूम रही। मेहंदी प्रतियोगिता मे सत्तर छात्राओ की जोड़ी ने भाग लिया। सहयोगी छात्राओ के हाथों पर एक से बढ़कर एक डिजाइन बनाकर भावविभोर कर दिया। प्रतियोगिता मे रौनक परवीन दूसरे, गुंजा मौर्या तीसरे, मुस्कान यादव चौथे व श्रेया यादव पांचवे स्थान पर रही। छात्राओं द्वारा सहयोगी छात्राओं के हाथों पर बनाए गए डिजाइन को अभिभावकों ने भी सराहा। राखी बनाओ प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में जानवी ग्रुप दूसरे, अनन्या ग्रुप तीसरे, सत्यम विश्वकर्मा चौथे व अंशिका उपाध्याय ग्रुप पांचवाँ स्थान हासिल किया। विद्यालय के प्रबंधक जगदीश नारायण सिंह व प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने विजेताओं को मेडल व प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। प्रधानाचार्य शरद कुमार सिंह ने आभार जताया। निर्णायको मे कविता सिंह, रामचंद्र सिंह, अर्चना सिंह, दामिनी सिंह प्रमुख थी। इस अवसर पर रामचंद्र सिंह, सुशील कुमार सिंह, श्रवण यादव, दिलीप सिंह, अजय जायसवाल, राजकुमार जायसवाल, राहुल यादव, सौरभ सिंह, प्रवीण सिंह, विवेक मिश्र, कार्तिकेय प्रजापति, अतुल गौड़, अंजनी उपाध्याय, जितेंद्र सिंह, यशवंत यादव ने सक्रिय भूमिका निभाई।

विभिन्नता हमारी कमजोरी नहीं बल्कि ताकत है: बेचू गुप्ता

रक्षा बंधन की पूर्व संध्या पर आयोजित संगोष्ठी में संवैधानिक मूल्यों पर चर्चा

प्रखर कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर के महन्थ अवैद्यनाथ नगर स्थित श्री राधा कृष्ण इंटर कालेज सिसवा - महन्थ में रक्षा बंधन पर्व की पूर्व संध्या पर राइज एंड एक्ट के तहत 'राष्ट्रीय एकता, शांति एवं न्याय" विषयक संगोष्टी आयोजित की गई। जिसमें वक्ताओं ने संवैधानिक मूल्यों की चर्चा की। गोष्ठी को संबोधित करते हुए अरुणांचल में डायट के प्राचार्य रहे बेचू गुप्ता ने कहा कि सदियों से हमारी संस्कृति मेल-जोल की रही है। विभिन्नता हमारी कमजोरी नहीं बल्कि ताकत है। इसे बचाये रखना हर नागरिक का कर्तव्य है। मुख्य वक्ता माकपा जिला सचिव आयोध्यालाल श्रीवास्तव ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों ने समतामूलक समाज का सपना आजादी के आंदोलन के दौरान परवान चढ़ा था आज उसके विपरीत देश नफरत, गैर बराबरी और बाजारवाद की आग में झुलस रहा है। संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे आना होगा तभी हमारी बसुधैव कुटुम्बकम की परिकल्पना साकार होगी। आज प्रतिगामी ताकते न केवल संवैधानिक मूल्यों को चुनौती दे रही है बल्कि सदियों से स्थापित विश्व में हमारी पहचान के लिए भी खतरा पैदा कर रही हैं। धार्मिक पहचान और उस पर आधारित राष्ट्रवाद को महत्व दिए जाने से विभिन्न समाजों के बीच टकराव की स्थिति पैदा होगी। यह भारत जैसे विविधता वाले मुल्क के लिए ठीक नहीं है। रालोद के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष भगवान दयाल विश्वकर्मा ने कहा कि एक बेहतर समाज के निर्माण को आगे आना होगा। अध्यक्षता करते हुए भूमि बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष गोबर्द्धन प्रसाद गोंड़ ने रक्षा बंधन पर्व के महत्व को बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय एकता, शांति, सामाजिक न्याय के लिए जागरूक होना होगा। तभी समता, बन्धुता, सम्मान, न्याय की परिकल्पना साकार होगी। इसी क्रम में रालोद जिलाध्यक्ष विनोद प्रताप कुंवर, इदरीश सिद्दकी, विनायक यादव, पूर्व महामंत्री छात्र संघ बीपीजी अशोक सिंह, पूर्व प्रधान राम नरेश सिंह ने अपने विचार रखे। अंत मे समूह चर्चा के दौरान स्थानीय समस्याओं, समतामूलक समाज निर्माण को लेकर विचार किया गया। संचालन आयोजक हृदया नन्द शर्मा व स्वागत संजय सिंह, शुभनरायन यादव ने किया। प्रधानाचार्य राम प्रवेश यादव, उदय सिंह, सत्य प्रकाश त्यागी, उमेश कुशवाहा, रमेश सिंह, राम नक्षत्र विश्वकर्मा, गोपाल राय, राजेन्द्र सिंह, राम नरेश सिंह, नथुनी कुशवाहा, सूर्य नारायण सिंह, सत्येंद्र कुमार मिश्र, संजय सिंह, हीरालाल सिंह, राम नक्षत्र यादव सहित छात्र - छात्राएं शामिल रहीं।

एनडीआरएफ के बचाव कर्मियों को स्कूली छात्राओं ने बांधी राखी बचाव कर्मियों ने बहनों को दिया रक्षा का वचन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। 11 एनडीआरएफ मुख्यालय परिसर वाराणसी में रंक्षाबंधन के शुभ अवसर पर स्कूली बच्चों ने एनडीआरएफ बचाव कर्मियों को राखी बांधकर उनकी सलामती के लिए दुआएं मांगी, एनडीआरएफ बचाव कर्मियों ने भी बहनों को किसी भी प्रकार के आपदा के दौरान रक्षा का वचन दिया मनोज कुमार शर्मा उप महानिरीक्षक 11 एनडीआरफ वाराणसी ने बताया कि पूरे देश में रक्षाबंधन की धूम मची हुई है सभी बहनें अपने भाइयों की कलाई में एक से बढ़कर एक खूबसूरत राखी बांधकर उनके सुख समृद्धि की दुआएं दे रही हैं` एनडीआरएफ की टीमें वर्तमान मे वाराणसी, चंदौली, गोरखपुर, लखनऊ, बहराइच, लखीमपुर खीरी (उत्तर प्रदेश) एवं जबलपुर तथा भोपाल (मध्य प्रदेश) मे तैनात है तैनाती वाले स्थानों पर स्कूली छात्राओं तथा विभिन्न संगठनो के द्वारा एनडीआरएफ के बचाव कर्मियों को राखी बांधकर भाई-बहन के इस त्यौहार को धूमधाम से मनाया गया` वाहिनी मुख्यालय, वाराणसी मे भी सन वैली पब्लिक स्कूल उंदी, सेंट लॉरेंस इंटरनेशनल स्कूल लेढूपुर एवं लीला फाउंडेशन, वाराणसी से छात्राओं ने एनडीआरएफ बचाव कर्मियों के कलाइयों में राखी बांधी कार्यक्रम मे असीम उपाध्याय, द्वितीय कामन अधिकारी, अभिषेक कुमार राय, प्रेम कुमार पासवान, श्री राम भवन सिंह यादव, नवीन कुमार, डॉ विवेक सिंह, उप कमांडेंट सहित वाहिनी के बचाव कर्मियों ने भाग लिया उन्होने काशीवासियों को रक्षाबंधन पर्व की बधाई देते हुये बताया की एनडीआरएफ के लिये पूरा देश ही हमारा परिवार है और एनडीआरएफ लोगों की सेवा हेतु अपने आदर्श वाक्य आपदा सेवा सदैव सर्वत्र के साथ हमेशा तत्पर है।

संक्षिप्त खबरें

नवचयनित अध्यक्ष का हुआ स्वागत

प्रखर जौनपुर। शहर की गंगा जमुनी तहजीब की पहचान मरकजी सीरत कमेटी के नवचयनित अध्यक्ष शौकत अली अंसारी मुन्ना राजा का स्वागत आज एक कार्यक्रम में समाजसेवी सरताज सिद्दीकी के आवास पर हुआ। इस मौके पर अध्यक्ष ने अपने वक्तव्य में कहा की हमारा शहर शांति का मरकज रहा है इल्म इमरती और इत्र की खुशबू इस शहर की पहचान है जिसको कायम और दायम रखना है। समाजसेवी सरताज ने कहा की कमेटी सबकी है ,यह प्रोग्राम हम सबका है सभी संप्रदाय के लोगो को मिलजुल कर इस खुशी में शामिल होना चाहिए क्युकी हजरत मोहम्मद स अ रहमत उल आलमीन बन कर आए है। इस मौके पर मुख्य रूप से रियाजुल हक ,सद्दाम हुसैन, मो शादाब ,फिरोज कुरशी ,फैयाज ,इकराम सौदागर शोबी ताज कादरी, फैजान खान, सैफ ,इराफ खान ,साबिर इराकी, शहजादे अंसारी, सरताज अहमद, बिस्मिल्लाह खान, शहाबुद्दीन विद्यार्थी ,अलाउद्दीन, असीम मछलीशहरी ,शकील माज सेराज अहमद, बबलू ,अशरफ अंसारी सोएब पठान,मोनू आदि लोग मौजूद रहे।

परिषदीय विद्यालयों में रक्षाबंधन पर हुए प्रतियोगिता

पिंडरा। पिंडरा विकास खण्ड के विभिन्न परिषदीय विद्यालयों में बुधवार को रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से बच्चो ने मनाया और भाई के कलाइयों पर बहनो ने रक्षा सूत्र बांधकर पर्व के महत्व को बताया। क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय फूलपुर, सिंधोरा, पिंडरा, जमापुर, अजईपुर, धरसौना, तिवारीपुर, कर्मी और धर्मनपुर में बच्चों के बीच हुई राखी प्रतियोगिता में उन्हें पुररस्कृत किया गया। जमापुर में मेहंदी वर्मा ने प्रथम, अंशिका कुमारी ने द्वितीय व अभय कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस दौरान बच्चों में रक्षाबंधन के पूर्व को लेकर उत्साह दिखाया। इसके अलावा रमईपुर स्थित त्रिपदा पब्लिक स्कूल में रक्षा बंधन का पूर्व मनाया गया। इस दौरान बच्चो के बीच प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

भारतीय पथ विक्रेता संघ द्वारा हुकुलगंज वार्ड के पथ विक्रेताओं के लिए नि:शुल्क स्वनिधि कैंप का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। हुकूलगंज वार्ड नं0-11 नगर निगम वाराणसी के लोकप्रिय पार्षद बृजेश चंद श्रीवास्तव के नेतृत्व में भारतीय पथ विक्रेता संघ के द्वारा हुकुलगंज वार्ड के पथ विक्रेताओं के लिए निःशुल्क स्वनिधि कैंप का आयोजन किया गया इस कैंप में बैंक आफ बड़ौदा शाखा पांडेपुर के द्वारा सैकड़ो पथ विक्रेताओं का बैंक खाता खोला गया तथा उन पथ विक्रेताओ का सीएससी से रवि मौर्या ने स्वनिधि में आवेदन किया इस कैंप में भारतीय पथ विक्रेता संघ के संरक्षक, भाजपा महानगर उपाध्यक्ष, इंजीनियर अशोक यादव ,भाजपा महानगर मंत्री बृजेश चौरसिया ,बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा पाण्डेयपुर के शाखा मैनेजर अमितेश श्रीवस्तव , संजय विश्वकर्मा ,सुनील मिश्रा ,विनोद यादव ,भारतीय पथ विक्रेता संघ के संगठन मंत्री लक्खू सोनकर, आनद गौरव,आशीष कुमार गुप्ता सहित सैकड़ों पथ विक्रेता उपस्थित थे।

गायब बालिका 6 दिनों के बाद मिली

प्रखर रामपुर- मांझा गाजीपुर। थाना रामपुर- मांझा के अंतर्गत सितकंदरा स्वामी विवेकानंद संस्थान में परीक्षा देने गई। बालिका उम्र लगभग 13 वर्ष 24 ,08,2023 से घर वापस नहीं आई इस संबंध में परीवार के लोगों ने थाना- रामपुर- मांझा में तहरीर देकर मुकदमा पंजीकृत कराया था। दिनांक 30,08, 2023 को थाना रामपुर माझा के उपनिक्षक अजय पांडे हमराहियों के साथ देवचंदपुर से बालिका को बरामद कर नियमानुसार विविध कार्रवाई करके मेडिकल कराने के लिए भेजा।

पुलिस ने चलाया सघन चेकिंग अभियान, बाइकर्स में मची हड़कम्प

प्रखर खेतासराय जौनपुर। स्थानीय पुलिस ने जमकर सघन तलाशी अभियान चलाया। कस्बा समेत बीट के कई बाजारों में पुलिस के इस अभियान से बाइक सवारों में अफरा-तफरी मच गई। यातायात नियम का पालन न करने पर करीब डेढ़ दर्जन गाड़ियों का चालान कर दिया पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बुधवार को एसएचओ राजेश यादव अपनी टीम के साथ कस्बा में तलाशी अभियान चलाया। संदिग्धों से पूछताछ के साथ तलाशी भी ली। बाइकर्स तो सौ मीटर दूर से ही अपनी गाड़ी मोड़ लिए। शिकंजे में आये कई गाड़ियों के प्लेट नम्बर पर नम्बर के स्थान पर विशेष नाम अंकित मिला। चेकिंग के दौरान हड़कंप स्थिति बनी रही । इस दौरान 18 गाड़ियों का चालान किया गया पूछे जाने पर प्रभारी निरीक्षक राजेश यादव ने बताया कि रक्षा बंधन के दृष्टिगत तलाशी अभियान कस्बा समेत अन्य स्थानों पर हुआ । ट्रैफिक नियम का पालन न करने पर कार्रवाई की गई है। इस अवसर पर उपनिरीक्षक शान मोहम्मद, मंहगू यादव समेत कई हमराह मौजूद रहे।

आयुर्वेदिक बेबी बाथ

ब्यूटी

■ शहनाज हुसैन

सदियों से मनुष्य अपनी सभी जरूरतों के लिए प्रकृति पर निर्भर रहा है। आयुर्वेदिक प्रणाली प्राकृतिक अवयवों के व्यावहारिक अनुप्रयोग से विकसित हुई। आयुर्वेद का सबसे बड़ा फायदा है कि कोई भी ऐसी सामग्री चुन सकता है, जिसका कोई विषाक्त प्रभाव न हो और जिसमें बेहतर, हीलिंग और सुरक्षात्मक गुण हों। वे शिशुओं की कोमल त्वचा के लिए भी सुरक्षित है। जिस समय में 'बेबी केयर' प्रोडक्ट नहीं थे, इन सामग्रियों का उपयोग शिशु की स्वच्छता बनाए रखने और त्वचा व बालों की देखभाल के लिए किया जाता था।

शिशु की त्वचा बहुत कोमल होती है, उसे मौसमी बदलावों की आदत डालनी पड़ती है। शिशु की स्किन फटी, रूखी व लाल हो सकती है, उसमें चकत्ते पड़ सकते है। बच्चे को नहलाते समय भी हमें ऐसी समस्याओं से जूझना पड़ता है। बेबी बॉथ का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा मालिश है। शरीर को मजबूत बनाने के साथ-साथ मालिश स्वस्थ भावनात्मक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है। अध्ययन बताते है कि मालिश भावनात्मक बंधन को मजबूत करती है और बच्चे को सुरक्षात्मक व मानसिक रूप से मजबूत बनाती है। आयुर्वेदिक प्रणाली में मौसम के अनुसार तेल चुनना पड़ता है। जैतून, नारियल और सूरजमुखी का तेल गर्मियों में अच्छे होते है। तिल के बीज का तेल आयुर्वेदिक मालिश के लिए बहुत अच्छा है, क्योंकि इसे संतुलित तेल कहा जाता है। तेज सुगंध वाले तेल का इस्तेमाल शिशु के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

बच्चे को नहलाने और मालिश करने से पहले अंगूठियां और ऐसी अन्य चीजें निकाल दें, ताकि कोई चोट न लगे। अपने नाखून छोटे रखें। तेल हल्का गरम होना चाहिए। पर्याप्त मात्रा में तेल लगाने से बच्चे की स्किन को नुकसान नहीं होता है। धीरे-धीरे मलते हुए मालिश करें। बच्चे के हाथ और पैर तेजी से न खींचें। बुखार या बीमारी होने पर बच्चे की मालिश नहीं करनी चाहिए। पहले अपने डॉक्टर की सलाह लें। मालिश के बाद बच्चे को 10-15 मिनट बाद ही नहलाना चाहिए। मालिश के बाद बच्चे को अकेला न छोड़ें। हल्के गुनगुने पानी से शिशु को नहलाएं। बच्चे के लिए हल्के साबुन का इस्तेमाल करें, लेकिन ध्यान रखें कि यह आंखों में न जाए। बेबी केयर के लिए 'नो टियर' शैंपू बाजार में उपलब्ध है। नहलाने के बाद, बच्चे के शरीर को लपेटने के लिए साफ सूती तौलिये का इस्तेमाल करें और थपथपाकर सुखाएं। बहुत जोर से न रगड़ें।

छोटे बच्चों को रैशेज होने का खतरा हमेशा बना रहता है, खासकर डायपर पहनने वाले बच्चों को। बहुत अधिक बेबी पाउडर का उपयोग न करें, क्योंकि यह बच्चे की त्वचा की दरारों और परतों में जम जाता है। आयुर्वेदिक सामग्री और संयोजन बेबी केयर प्रोडक्ट के लिए बेहतर है। वे कोमल त्वचा के लिए अच्छे रहते है। और इसकी प्राकृतिक कोमलता बनाए रखने में मदद करते है। बेबी ऑयल बहुत हल्के होते है, जबकि रूखेपन, घुटनों और कोहनियों को रगड़ने के लिए हल्की क्रीम भी बाजार में मिलती है। शिशुओं की स्कैल्प पर पपड़ी जम जाती है। रूई से गर्म तेल लगाकर इन्हें नरम करना चाहिए। फिर बालों और सिर को बेबी शैम्पू से धो लें, जिससे आंखों में जलन न हो। बच्चे के सिर को धोते समय इस बात का ध्यान रखें कि आगे से पीछे की ओर पानी डालें ताकि पानी चेहरे पर न गिरे।

परंपराएँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती है। ठीक उसी तरह, बच्चे की देखभाल का तरीका भी मां से बेटी को मिलता है। अपने बच्चे की देखभाल करना, रोजाना मालिश करना और नहलाना संवाद करने का बेहतर तरीका हो सकता है, जो शब्दों की आवश्यकता को खत्म कर देता है। ■

महिला वैज्ञानिकों का परचम

खरी खरी

■ मनीषा

चंद्रयान -3 मिशन की सफलता पर सारी दुनिया में भारत का परचम लहराया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो की प्रशंसा करने में देश समेत दुनिया भर के प्रतिष्ठित लोग भी नजर आये। वाकई यह गौरव का क्षण रहा। ऐसे समय में जब भारत की औसत जनसंख्या जवान है और काम करने वाले हाथ बहुसंख्य है। तब भी अपने यहां कामकाजी औरतों की संख्या तुलनात्मक रूप से उस तरह से नहीं बढी है, जैसा होनी चाहिए। नयी उम्र की लड़कियां काम करने के प्रति खासी उत्साही नजर आ रही हैं। उनमें आर्थिक स्वतंत्रता को लेकर विशेष अनुराग पनपा है। कुछ समय पहले तक विज्ञान, गणित व इंजीनियरिंग जैसे विषयों की पढाई करने वाली छात्राओं की संख्या बेहद सीमित हुआ करती थी। यूनिस्को के अनुसार दुनिया भर के रिसर्च करने वालों में कुल 30% औरतें हैं। साइंस, टेक्नॉलाजी, इंजीनियरिंग व मैथ्स में लड़कियों की भागीदारी बढाने की बातें सारी दुनिया में होती रही हैं। अब जबकि वे करियर को ख्याल में रखकर विषयों का चयन करने में कोई कोताही नहीं करतीं। लड़कियों में अपारंपरिक रोजगारों के प्रति रुझान देखने में आ रहा है। हालांकि इसरो में काम कर रही ऐसी महिलाएं यूं तो मध्यउम्र वाली हैं। इनमें से अधिकतर ने काफी पहले अपने सपनों, दम-खम और लगन से जगह बनायी, जहां जाने का सपना देखना पुरुषों के लिए भी टेढी खीर है। इस बहुप्रतिक्षित मिशन में खासकर महिला वैज्ञानिकों की पूरी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसरो में मौजूदा समय में 20 से 25 % महिलाएं हैं।

सीनियर साइंटिस्ट व प्रज्ञान मॉडुयूल की टीम सदस्य रीमा घोष ने अपने इस अनुभव को अद्भुत बताया। रीमा ने कहा निश्चित रूप से हम कुछ और भी बेहतर लेकर आयेंगे। दूसरी सीनियर वैज्ञानिक निधी पोरवाल ने कहा कि हम सभी के लिए यह बहुत खुशी की बात है। यह आने वाली महिलाओं के लिए तो अच्छा ही है। हर क्षेत्र की औरतों के लिए यह प्रेरणादायक है। जाहिर है, इस सफलता और प्रतिष्ठा को देखकर नयी लड़कियों में अंतरिक्ष की ऊंचाइयों तक जाने की अभिलाषा जागेगी। देश इस मिशन में उनके साथ रहा, इसलिए वे बहुत उत्साहित हैं। इस मिशन में करीब 54 महिला वैज्ञानिक/ इंजीयनरों ने सीधी भूमिका निभाई। वैज्ञानिक रेड्डी सरिता ने गर्व महसूसने की बात करते हुए कहा, हम बेहद उत्साहित हैं। हमें अहसास हुआ कि हमारी उपलब्धियों को इस तरह मान्यता दी जा रही है। वैज्ञानिक प्रियंका मिश्रा ने कहा, नारी शक्ति को मिली पहचान हमें प्रोत्साहित कर रही है। वैज्ञानिक नित्या भारती मिशन की सफलता पर बहुत उत्साहित हैं। वैज्ञानिक सावित्री कहती हैं, हमें जो परिणाम मिले, सारा देश उसका इंतजार कर रहा था। मन की बात कार्यक्रम को संबोधन में प्रधानमंत्री ने भी चन्द्रयान मिशन की उपलब्धि में नारी शक्ति की बात की। वे बोले- भारत की बेटियां अब अनंत समझे जाने वाले अंतरिक्ष को चुनौती दे रही हैं। किसी देश की बेटियां जब इतनी आकांक्षी हो जाएं तो उस देश को विकसित होने से कौन रोक सकता है। रितु करिधल को देश की रॉकेट वुमेन के नाम से पुकारा जाता है। लखनऊ में जन्मी रितु फिजिक्स में एमएससी करके छब्बीस साल पहले इसरो में शामिल हुईं। अनुराधा टीके सैटेलाइट प्रोजेक्ट मैनेजर बनने वाली पहली महिला रही हैं। मुथैया बनिथा, मीनल, मौमिता दत्ता, नंदनी हरिनाथ, ललितांबिका आदि ने अपनी अथम मेहनत, जुनून और जज्बे से बड़े मिशन को साकार कर दिखाया।

खासकर जब इनकी तस्वीरें साझा की गयीं तो समाज का खास तबका इनके परिधान को लेकर तरह-तरह की बातें करने में जुट गया। इनमें कुछ औरतें भी शामिल रहीं। जिन्हें आधुनिक लिबास को लेकर खासी दिक्कत है। वे बता रहे थे कि औरतें साड़ी जैसे पारंपरिक परिधानों में बिन्दी लगाकर भी यह अतिविशिष्ट कार्य कर परचम लहरा रही हैं। ऐसी बातें पुरुषों के पक्ष में कभी नहीं की जातीं। जब भी पुरुष कोई कमाल करता है, उसके लिबास व रहन-सहन को दरकिनार किया जाता है। जिस दरम्यान इन प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों की चर्चा हो रही थी, उसी दरम्यान शतरंज वर्ल्ड कप के सबसे कम उम्र में उप-विजेता रहे प्रज्ञानंद ने भी कमाल कर दिखाया। पारंपरिक टीका-चंदन करने वाले इस धुरंधर खिलाड़ी ने क्या पहना, वह कैसे लिबास में बोर्ड के सामने बैठा, यह कतई नहीं आंका गया। विशेषज्ञों ने उसके मूव्ज देखे। बाकियों ने उसके प्रतिभाशाली मुकाबले की चर्चा की। प्रज्ञानंद की मां नागलक्ष्मी अपने बेटे के साथ हमेशा जाती है। उसके खाने-पीने से लेकर हर जरूरत का ख्याल रखती है और प्रशिक्षण को लेकर हमेशा बहुत गंभीर रही है। इस शतरंज खिलाड़ी की बहन वैशाली भी महिला ग्रैंड मास्टर है। जाहिर है, इस शतरंज मास्टर की मां/बहन क्या पहनती हैं, से ज्यादा जरूरी है उनके संघर्ष को जानना। इसरो की ये वैज्ञानिक औरतें भी मां-बहन-बेटियां ही हैं। इनमें से अमूमन अपने बच्चों और परिवार को संभालने में कोई कोताही नहीं करती होंगी। बल्कि वे अपनी डबल ड्यूटी को लेकर ज्यादा सचेत होंगी। स्त्री जब भी कोई खास मिशन/ करियर चुनती है, उस पर चौतरफा नजरें रखी जाती हैं बनिस्पद पुरुषों के। वे साधारण सी नौकरी क्यों ना कर रहे हों, उनको परिवार का फाइनैंसियल सपोर्ट करने का लोभ हमेशा प्राप्त होता रहा है। जब वे कुछ विशेष करते हैं तो उसकी धूम ही नहीं होती। बल्कि सब सुविधाएं मुहैया की जाती हैं। कुछ भी खास करने वाली स्त्री की मशक्कत को समझना इतना आसान नहीं है। इसरो प्रमुख सोमनाथ व अन्य जिम्मेदार अधिकारियों की लैंगिक समानता भरी सोच को भी श्रेय दिया जाना जरूरी है। वरना औरतों की प्रतिभाशीलता को पीछे ढकेलने वाली मर्दवादी मानसिकता का मुकाबला करना आसान नहीं है। परचम लहराने के लिए उनसे विश्वास व हौंसले का सबक पुरुषों को सीखना होगा। ■

> औरतें साड़ी जैसे पारंपरिक परिधानों में बिन्दी लगाकर भी यह अतिविशिष्ट कार्य कर परचम लहरा रही हैं। ऐसी बातें पुरुषों के पक्ष में कभी नहीं की जातीं

ISRO
INDIA
भारत

यही है जिंदगी

■ क्षमा शर्मा

क्रेच की सुविधा और बच्चे

हाल ही में हरियाणा सरकार ने क्रेच पॉलिसी बनाई है। पिछले दिनों वहां के महिला बाल विकास मंत्रालय द्वारा इस पॉलिसी के बारे में नोटिफिकेशन जारी किया गया। इस तरह की पॉलिसी बनाने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है। क्रेच में छह महीने से लेकर छह साल तक के बच्चों को रखा जा सकेगा। दिन के आठ-दस घंटे बच्चे यहां रह सकेंगे। जिस संस्थान में पचास से अधिक कर्मचारी है, वहां क्रेच बनाना अनिवार्य होगा। इनमें प्रशिक्षित स्टाफ होगा। क्रेच में काम करने वाली केयर टेकर को पंद्रह हजार और सहायिका को सात हजार वेतन दिया जाएगा। क्रेच में बच्चों को तरह-तरह का पौष्टिक आहार भी मिलेगा। मनोरंजन के तमाम साधन भी होंगे, जैसे कि उनके खेलने के लिए खिलौने होंगे। खेलों का अन्य सामान भी होगा। समय-समय पर उन्हें चिकित्सा भी सुविधा मिलेगी। उनके स्वास्थ्य की जांच की जाएगी।

यह तरीके से कामकाजी दम्पत्तियों के लिए वरदान होगा। अकसर माता-पिता इस चिंता में रहते है कि वे नौकरी पर जाएं तो अपने बच्चों को सुरक्षित कहां छोड़ें। अब जब बड़ी संख्या में महिलाएं कामकाजी हैं तो इस तरह की सुविधाएं जरूरी भी है। सरकारें इस ओर ध्यान दे रही है, यह अच्छी बात है। देखा जाए तो आज भी बहुत से बड़े शहरों तक में इस तरह की सुविधाएं नहीं है। दिल्ली जो देश की राजधानी है वहां भी इस तरह की सुविधाएं बहुत नजर नहीं आतीं। पहले तो संयुक्त परिवार के भरोसे बच्चे पल जाते थे, दादा-दादी, नाना-नानी बच्चों को पाल देते थे। मगर इन दिनों कई बार लोग उस शहर या गांव से दूर रहते है, जहां माता-पिता होते है। कई बार माता-पिता का स्वास्थ्य इस लायक नहीं होता कि वे छोटे बच्चों की देखभाल कर सकें। फिर आजकल संयुक्त परिवार बिखर भी रहे है। तमाम रिपोर्टस बताती है कि अगर बच्चा आसपास ही है तो मां का दफ्तर के काम में ज्यादा मन लगता है। वह एक तरीके से बच्चे की चिंता से मुक्त हो जाती है। इसीलिए यदि पचास से अधिक कर्मचारियों के दफ्तर में क्रेच अनिवार्य कर दिया गया है तो बहुत से दफ्तरों में इन सुविधाओं को देना होगा। माता-पिता भी खुशी-खुशी अपने बच्चों को यहां छोड़ सकेंगे।

सोचने वाली बात यह भी है कि यदि हरियाणा सरकार इस तरह की चाइल्ड फ्रेंडली पालिसी बना सकती है, तो दूसरे राज्यों में ऐसा क्यों नहीं हो सकता। क्योंकि कामकाजी महिलाओं की संख्या हर जगह बढ़ रही है। अगर कोई महिला मान लीजिए कामकाजी नहीं भी है, वह आगे पढ़ना चाहती है या कि स्वयं का कोई रोजगार या व्यापार खोलना चाहती है तो भी क्रेच की सुविधा उसके लिए अच्छी रहेगी। जिस दौरान बच्चे क्रेच में रहेंगे, मांएं अपने जरूरी कामकाज निपटा सकेंगी। पढ़-लिखकर अपने को आगे भी बढ़ा सकेंगी। जब तक बच्चे के स्कूल जाने की उम्र होगी, तब तक काफी समय उनके पास होगा। लेकिन इस बारे में भी सोचना पड़ेगा कि यदि माता-पिता नौकरी करते है, तो छह साल की उम्र के बाद जब बच्चा स्कूल से घर लौटेगा, तो वह कहां जाएगा। तब भी उसे क्रेच जैसी सुविधा की जरूरत होगी। क्योंकि हर माता-पिता के पास इतनी आय नहीं होती कि वे घर में बच्चे की देखभाल के लिए सहायिका रख सकें। इसलिए क्रेच में रहने की उम्र को बढ़ाया जाना चाहिए। बच्चे की उम्र इतनी जरूर रखी जाए कि वह स्कूल से लौटने के बाद खुद को संभाल सके। अपनी देखभाल और सुरक्षा का ध्यान रख सके। खुद खा-पी सके। तभी सही मायने में क्रेच की सुविधा माता-पिता के लिए वरदान की तरह होगी। लेकिन पहली जरूरत तो यही है कि पूरे देश में बच्चों के लिए क्रेच खोले जाएं। ■

रक्षाबंधन पर बनाएं

■ अनिता घोष

काजू चॉको बर्फी

सामग्री- 200 ग्राम काजू, खोया 200 ग्राम, कोको पाउडर दो चम्मच, कॉर्न फ्लोर एक चम्मच, 2 चम्मच घी, चीनी 4 चम्मच, एक कप दूध, पिस्ता सजाने के लिए।

विधि- सभी काजू को एक बार मिक्सी में घुमा लें। धीमी आंच पर कढ़ाही को रखें। घी डाल कर गरम करें जब घी गरम हो जाए तब उसमें काजू पेस्ट को डाल कर धीमी आंच पर गाढ़ा होने तक भूनें। कॉर्न फ्लोर और कोको पाउडर मिलाएं। अब दूध मिलाएं। जब मिश्रण थोड़ा पक जाएं तब उसमें चीनी मिलाकर लगातार चलाते रहें। मिश्रण को तब तक पकाएं जब तक मिश्रण जमने लायक न बन जाए। चिकनाई लगी थाली में मिश्रण को डाल दें। अच्छी तरह फैलाएं। पूरे मिश्रण के उपर कटा हुआ पिस्ता डाल दें। हल्का जमने पर बर्फी के आकार में काट लें। बन गया काजू चॉकलेट बर्फी।

चीजी पूरी

सामग्री-मैदा 2 कप, 2 चीज क्यूब, 2 कटी हुई हरी मिर्च, एक चम्मच जीरा, एक कप हरा धनिया पत्ती, लहसुन की 3/4 कलियां कटी हुई, तलने के लिए घी, नमक चुटकी भर।

विधि- मैंदे को छान लें। नमक और पानी की सहायता से मुलायम गूंथ लें। गूंथे हुए मैंदे को एक गीले कपड़े से 10-15 मिनट के लिए ढंक दें। अब दूसरे बाउल में चीज, मिर्च पाउडर, लहसुन, जीरा और धनिया पत्तियों को डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। गूंथे हुए मैंदे की छोटी छोटी लोई बना लें। अब लोई लेकर इसके बीच में चीज वाला मिश्रण भरकर अच्छी तरह बंद कर दें। अब इसे गोल-गोल बेलकर पूरी तैयार कर लें। कढ़ाही में घी डालकर गरम करें। एक साथ 2-3 पूरी डालकर दोनों तरफ से तले। तैयार हैं चीजी पूरी।

चिली गार्लिक पास्ता

सामग्री-100 ग्राम पास्ता, दो कप दूध, रेड या ग्रीन शिमला मिर्च एक, फ्रेंच बिंस 8-10 बारीक कटी हुयी, ब्रोकली कटा हुआ एक कप, 7-8 लहसुन कली बारीक कटे हुए, 2 चम्मच मैदा, बटर 50 ग्राम, आधा कप क्रीम, एक चुटकी काली मिर्च, नमक स्वादानुसार।

विधि- सबसे पहले पास्ता को उबाल लें। छलनी से छान कर उबले हुऐ पास्ता को एक प्लेट में रखें। अब मीडियम आंच पर कढ़ाही में बटर डाल कर गरम करें। बटर पिघलने के बाद इसमें लहसुन, ब्रोकली, फ्रेंच बींस और शिमला मिर्च डाल कर कुछ देर तक भूनें। सारी सब्जी अच्छे से भून जाने के बाद आंच बंद कर दें। मैदा को दूध के साथ अच्छे से मिलाएं। अब एक कढ़ाही में दो चम्मच बटर पिघला लें। अब मैदा दूध के मिश्रण को डाल दें, लगातार चलाते रहें ताकि गुठलियां न बने। 2-3 मिनट चलाने के बाद नमक और काली मिर्च मिलाएं। अब इसमें प्लेट में रखा पास्ता और भूनी सारी सब्जी और क्रीम मिलाएं। 4-5 मिनट तक पकाएं। आंच बंद कर दें। तैयार हो गया यमी चीली पास्ता। गरमा-गरम सर्व करें।

टैरो

ऋचा श्रीवास्तव

(30 अगस्त-5 सितम्बर)

मेष -(21मार्च -20अप्रैल)- व्यावहारिक होने की जरुरत है। तनाव को बढ़ने न दें। प्रतिदिन व्यायाम करें। बदलाव से घबराएं नहीं उसका स्वागत करें। जीवन साथी के साथ संबंध मधुर होंगे। नौकरी व्यवसाय में पूर्ण परिश्रम से किये गए कार्यों में लाभ प्राप्त होगा। भौतिक सुख साधनों में वृद्धि होगी। विवाह का योग बन सकता है।

वृषभ -(21अप्रैल -21 मई)- पेशेवर और वित्तीय मोर्चे पर अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना करने के कारण धैर्य की परीक्षा हो सकती है। खर्च पर नियंत्रण रखें। घाटे को मुनाफे में बदलने में अभी और समय लग सकता है। दिनचर्या में योग अथवा व्यायाम शामिल करें। संगीत सुनें। मन को शांत रखें।

मिथुन -(22 मई -21 जून)- व्यापार करने वालों के लिए लाभदायक हो सकता है। उनके धन को बढ़ा सकता है और आकर्षक नए अवसरों के द्वार खोल सकता है। परिवार और दोस्तों के साथ कोई खुशखबरी साझा की जा सकती है। आत्म संयम अच्छे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के रूप में प्रतिफल दे सकता है। पेशेवर ज्ञान की परीक्षा हो सकती है।

कर्क -(22 जून -22 जुलाई)- समय अधिक अनुकूल नहीं है इसीलिए सिमित दायरे में रखें। कोई जोखिम नहीं लें। सहयोगियों और मित्रों के साथ सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध बनाये रखें। जीवन साथी के साथ जीवन सुखमय होगा। किसी भी कार्य के बारे में अच्छे से जानकारी ले लें। आर्थिक निवेश के प्रति सतर्क रहें।

सिंह -(23जुलाई -21अगस्त)- मिलाजुला रहेगा और साथियों और अधिकारीयों के साथ तर्क कर सकते है। वांछित परिणाम पाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। जीवनसाथी के साथ टकराव हो सकता है। जीवनशैली बदलने की जरुरत है। खान पान पर ध्यान न देने और व्यायाम न करने की आदत के कारण छोटी मोटी बिमारियों का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या -(22अगस्त -23सितम्बर)- करियर में ठहराव देखा जा सकता है। आर्थिक स्थिति में भी काफी समय से उतर चढ़ाव चल रहा है, जिसकी वजह से मानसिक तनाव बना हुआ है। अब कई विकल्पों के बारे में सोचने की जरुरत है। निवेश करने से पूर्व किसी विशेषज्ञ की राय लें। प्रेम संबंधों में स्थिर है और प्रतिबद्धताओं को पसंद करते है। स्वास्थ को नजरअंदाज़ ना करें । स्वस्थ आहार के साथ साथ नियमित व्यायाम लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

तुला(24 सितम्बर-23 अक्टूबर)- सहयोगियों के साथ तालमेल बनाने की आवश्यकता रहेगी। पारिवारिक वातावरण में तनाव हो सकता है। वाहन सावधानीपूर्वक चलाएं और नकारात्मक विचारों से दूर रहें। धन संग्रह एवं बचत के लिए समय अनुकूल नहीं है। व्यापारियों और उद्यमियों के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। व्यावसायिक विकास के लिए खर्च किया गया धन भविष्य में अच्छे परिणाम देगा।

वृश्चिक (24अक्टूबर-22नवंबर)- नजरिया बदलें , जीवन खुद ब खुद बदल जायेगा। प्रभाव और सकारात्मक शक्तियां शिखर पर होंगी। व्यापार में लाभ मिलेगा। जीत के मार्ग पर है। कार्य को लगन और ईमानदारी से निभाएं। परिवार में खुशियां आएंगी और सुख शांति बनी रहेगी। धार्मिक कार्यों में रूचि बढ़ेगी।

धनु (23 नवम्बर -22 दिसम्बर)- पेशेवर मोर्चे के लिहाज से तैयार नजर आएंगे और खुद को तलाशेंगे। अंदर छुपी नयी प्रतिभा को खोजने में कामयाबी हासिल करेंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आय के नए स्त्रोत खुलेंगे। साथ ही पैतृक संपत्ति से भी लाभ मिल सकता है। समय ना दे पाने की वजह से इस दौरान प्रियजनों से टकराव हो सकता है।

मकर (23 दिसम्बर-20 जनवरी)- पेशेवर जीवन में संतुष्टि महसूस होगी। अतीत में किये गए सभी प्रयासों से शुभ परिणाम हासिल होंगे। करियर में बदलाव के लिए समय शुभ है। यदि फिजूलखर्ची पर लगाम लगा लेते है तो आर्थिक पक्ष के लिहाज से भी समय अनुकूल रहेगा। वित्तीय निवेश करते समय सावधानी बरतें। जो बीमार है, उनकी सेहत में सुधार देखने को मिलेगा।

कुम्भ (21 जनवरी-19 फरवरी)- संतुलन की जरूरत है। परिवर्तन का समय है। कुछ नया करने में ऊर्जा लगाएं। नेचर में समय बिताएं। काम पर ध्यान दें। जुनून को कुछ नया करने में लगाएं। वाहन सावधानीपूर्वक चलाएं। जीवन साथी के साथ समय बिताएं, यात्रा का भी योग है। विद्यार्थी वर्ग को सफलता पाने के लिए मेहनत करने की आवश्यकता है।

मीन (20 फरवरी-20 मार्च)- आराम में बहुत सारी खुशियां पा सकते है। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। विवाह की बात चल सकती है। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें। खान-पान पर ध्यान दें। पेशेवर जीवन अच्छा होगा। जो लोग नौकरी की तलाश में है, उनके लिए अच्छा रहेगा। तरक्की मिलने के भी योग है। यदि नए प्रोजेक्ट को करने की योजना बना रहे है तो अच्छे से जानकारी लेकर ही आगे बढ़ें। ■

संक्षिप्त खबरें

पिरामिड के शेयर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। पैकेजिंग कंपनी पिरामिड टेक्नोप्लास्ट लिमिटेड के शेयर 166 रुपए के निर्गम मूल्य के मुकाबले मंगलवार को लगभग 13 प्रतिशत प्रीमियम के साथ बाजार में सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 11.44 फीसद बढ़कर 185 रुपए पर सूचीबद्ध हुए। बाद के कारोबार में यह 13.25 प्रतिशत चढ़कर 188 रुपए पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर 12.65 प्रतिशत की उछाल के साथ 187 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ। पिरामिड टेक्नोप्लास्ट के आईपीओ को 18.29 गुना अभिदान मिला था।

अधिग्रहण करेगी गोकलदास

मुंबई। गोकलदास एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (जीईएल) ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की परिधान कंपनी एट्राको ग्रुप का 5.5 करोड़ डालर (455 करोड़ रुपये) में अधिग्रहण करने के लिए करार किया है। सिलेसिलाए परिधान बनाने और निर्यात करने वाली जीईएल ने यह करार अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनियों के जरिये किया। जीईएल ने बयान में कहा कि एट्राको का मुख्यालय दुबई में है और उसके पास केन्या में चार विनिर्माण इकाइयां और इथियोपिया में एक इकाई है। इस सौदे को कर्ज और आंतरिक स्रोतों से वित्तपोषित किया जाएगा।

यूपीआई पर शुरुआती चर्चा

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देने के लिए यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) पर शुरुआती चर्चा कर रहे हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार और पर्यटन के लिए न्यूजीलैंड में यूपीआई की शुरुआत पर विचार किया जा रहा है। दोनों देश न्यूजीलैंड से लकड़ी के लट्ठों के आयात की अनुमति देने के तरीकों पर भी विचार कर रहे हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार एवं निर्यात विकास मंत्री डेमियन ओ 'कॉनर के बीच सोमवार को यहां द्विपक्षीय बैठक के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा हुई।

प्रोडक्ट रेंज बढ़ाएगी फिलिप्स

नई दिल्ली। हेल्थ टेक्नोलॉजी कंपनी रॉयल फिलिप्स ने अपने पर्सनल हेल्थकेयर उत्पाद की रेंज का विस्तार करने के लिए मेक इन इंडिया का समर्थन करते हुए भारत में अपने उत्पादों के निर्माण को बढ़ाने की घोषणा की हैं। कंपनी ने हिमाचल प्रदेश के बद्दी स्थित अपने सह-विनिर्माण संयंत्र में उत्पादन का विस्तार किया है, जहां अब पहले से बनाए जा रहे महिला और पुरुष सौंदर्य उत्पादों के अलावा अब मां और शिशु देखभाल उत्पादों का भी विनिर्माण किया जाएगा।

फ्यूचर ने नीलगिरी डेयरी बेची

नई दिल्ली। कर्ज में डूबी फ्यूचर कंज्यूमर लिमिटेड ने मंगलवार को अपने डेयरी कारोबार 'नीलगिरि डेयरी फार्म' को 67 करोड़ रुपए में बेचने की घोषणा की। फ्यूचर कंज्यूमर ने नीलगिरि डेयरी फार्म प्राइवेट लिमिटेड (एनडीएफपीएल) के संपूर्ण कारोबार को बेचने के लिए एवीए चोलायिल हेल्थकेयर के साथ एक हस्तांतरण समझौता किया है। इस सौदे में डेयरी फार्म के फ्रेंचाइजी संचालन, खुदरा कारोबार परिचालन और उसके विभिन्न उत्पादों की सोर्सिंग, प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विपणन शामिल है।

यूकेजी ने महिलाओं के लिए सामाजिक पहल शुरू की

नई दिल्ली। एचआर और कार्यबल समाधान के प्रमुख प्रदाता यूकेजी ने भारत में एक प्रसिद्ध व्यावसायिक संस्थान लोक भारती के सहयोग से अपनी प्रभावशाली पहल, उड़ान सेंटर का अनावरण किया है। इस पहल का उद्देश्य भारत के नोएडा में महिलाओं को सिलाई मशीन ऑपरेटर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना है। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम द्वारा प्रमाणन प्राप्त करने वाला यह पाठ्यक्रम इन महिलाओं को भारत के कपड़ा उद्योग में आजीवन करियर के लिए तैयार करता है। प्रति दिन दो पालियों के साथ सप्ताह में छह दिन संचालित होने वाला, उड़ान सेंटर प्रत्येक बैच में 50 छात्रों को सेवा प्रदान करता है, जो पूरी तरह से यूकेजी द्वारा वित्त पोषित शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण प्रदान करता है। यह जानकारी यूकेजी में भारत के मानव संसाधन निदेशक नितिन वाधवा ने दी। उन्होंने बताया कि महिलाओं को योग्य शिक्षकों द्वारा उन्नत कपड़ा-निर्माण कौशल का प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसकी निर्यात फर्मों में अत्यधिक मांग है। (एजेंसियां)

आईटी सेवा क्षेत्र की आय वृद्धि दर घटने की आशंका

■ बीते वर्ष के 9.2% के मुकाबले 2023-24 में 3% रहेगी ■ चालू वित्त वर्ष में इस सेक्टर के मुनाफे में भी आएगी कमी

मुंबई (भाषा)।

भारतीय आईटी सेवा क्षेत्र की आय वृद्धि चालू वित्त वर्ष में घटकर तीन प्रतिशत रह जाएगी, जो पिछले वित्त वर्ष में 9.2 प्रतिशत थी। घरेलू रेटिंग कंपनी इक्रा रेटिंग्स ने मंगलवार को यह अनुमान जताया।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 में क्षेत्र के मुनाफे में भी गिरावट होगी और परिचालन लाभ मार्जिन एक प्रतिशत तक कम होकर 20-21 प्रतिशत रह जाएगा। इक्रा ने मांग में नरमी को मंदी का कारण बताते हुए कहा कि आय वृद्धि वित्त वर्ष 2022-23 में दर्ज 9.2 प्रतिशत से घटकर 2023-24 में 3-5 प्रतिशत रह जाएगी।

एजेंसी के आईटी सेवा क्षेत्र के प्रमुख दीपक जोतवानी ने कहा कि आईटी कंपनियों के लिए प्रमुख बाजारों में 'लगातार अनिश्चितता' बनी हुई है, जिसके चलते गैर-महत्वपूर्ण परियोजनाओं में रुकावट जारी है। उन्होंने बताया कि बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा, खुदरा, प्रौद्योगिकी तथा संचार जैसे प्रमुख क्षेत्रों द्वारा विवेकाधीन आईटी खर्च में कमी की गई है।

एजेंसी ने कहा कि अमेरिका और यूरोप के प्रमुख बाजारों में आर्थिक बाधाओं के कारण भारतीय आईटी सेवा कंपनियों की वृद्धि में 2022-23 की तीसरी तिमाही से 2023-24 की पहली तिमाही के बीच तेज गिरावट हुई है। चालू वित्त वर्ष के अंत में हालात कुछ बेहतर होने की उम्मीद है। इक्रा ने कहा कि वृद्धि में कमी के कारण पिछली तीन तिमाहियों में भर्तियों में उल्लेखनीय कमी आई है और यह रुझान निकट अवधि में भी जारी रहेगा।

- रेटिंग एजेंसी इक्रा ने कहा मांग में नरमी है मंदी की वजह
- आईटी क्षेत्र की मांग वाले बाजार में लगातार अनिश्चितता बनी हुई है

आईक्यूआरए आईएएस पर एक लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली (भाषा)।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने झूठे दावों के लिए आईक्यूआरए आईएएस संस्थान पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। संस्थान ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के शीर्ष स्थान पाने वालों के संबंध में भ्रामक विज्ञापन दिया था। सीसीपीए ने इस विज्ञापन झूठे दावों को तुरंत हटाने को भी कहा।

सीसीपीए की मुख्य आयुक्त निधि खरे और आयुक्त अनुपम मिश्रा की पीठ ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में वर्ष 2015 और 2017 के शीर्ष स्थान पाने वालों के संबंध में भ्रामक विज्ञापन और अनुचित व्यापार व्यवहार के लिए आईक्यूआरए के खिलाफ यह आदेश दिया है।

एयर इंडिया की बोइंग सिम्युलेटर ट्रेनिंग पर रोक

■ खामियों की वजह से डीजीसीए ने लगाई है अस्थायी रोक

मुंबई (भाषा)।

विमानन क्षेत्र के नियामक डीजीसीए ने कुछ खामियों की वजह से एयर इंडिया की बोइंग सिम्युलेटर प्रशिक्षण सुविधा पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। एक सूत्र ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

सूत्र के मुताबिक, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) इस मामले से जुड़े कुछ दस्तावेजों का सत्यापन कर रहा है और यह काम पूरा होने के बाद सिम्युलेटर प्रशिक्षण सुविधा बहाल करने के बारे में कोई फैसला लेगा। एयर इंडिया के बेड़े में चौड़े आकार वाले बोइंग 777 और बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान शामिल हैं। अपने पायलटों को इन विमानों को उड़ाने का विधिवत प्रशिक्षण देने के लिए एयरलाइन बोइंग सिम्युलेटर सुविधा का इस्तेमाल करती है।

सूत्र ने कहा, 'डीजीसीए ने अस्थायी तौर पर एयर इंडिया की बोइंग सिम्युलेटर प्रशिक्षण सुविधा को कुछ खामियों की वजह से निलंबित कर दिया है। नियामक इस मामले से संबंधित कुछ दस्तावेजों का सत्यापन कर रहा है।' इस बारे में संपर्क किए जाने पर एयर इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि डीजीसीए नियमित रूप से एयरलाइन के कामकाज की समीक्षा करता रहता है। हालांकि, उन्होंने इस निर्णय के बारे में कोई ब्योरा नहीं दिया।

एयर इंडिया के खिलाफ यह कार्रवाई डीजीसीए की दो-सदस्यीय निरीक्षण टीम की रिपोर्ट आने के बाद की गई है। निरीक्षण टीम ने एयरलाइन की आंतरिक सुरक्षा ऑडिट रिपोर्ट में खामियां पाई थीं जिसके बाद मामले की जांच शुरू की गई। डीजीसीए को सौंपी गई रिपोर्ट के मुताबिक, एयर इंडिया ने केबिन निगरानी, सामान ढुलाई और बोझ वहन जैसे कई क्षेत्रों में सुरक्षा बिंदुओं का ध्यान नहीं रखा।

कीमतों पर अंकुश के लिए भारत से 9.21 करोड़ अंडे लेगा श्रीलंका

कोलंबो (भाषा)।

श्रीलंका ने भारत से 9.21 करोड़ अंडे आयात करने का फैसला किया है। मंत्रिमंडल के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने कहा कि देश में अंडों की कीमतों में उतार-चढ़ाव से उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है।

मंत्रिमंडल के प्रवक्ता और मास मीडिया मंत्री बंडुला गुणवर्धने ने कहा कि यह निर्णय सोमवार को यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। राज्य व्यापार निगम ने अंडों की कमी और बाजार में उतार-चढ़ाव की चिंताओं के बीच सरकार से भारत से अंडे के आयात की अनुमति देने का अनुरोध किया था। गुणवर्धने ने कहा, 'पशु उत्पाद और स्वास्थ्य विभाग द्वारा अनुशंसित तीन भारतीय कंपनियों से कोटेशन (निविदा मूल्य) मांगे गए हैं।' उन्होंने कहा कि आर्डर तीन महीने की अवधि के लिए निर्धारित हैं।

श्रीलंका मार्च से ही भारत के अंडों पर निर्भर रहा है, जब विदेशी मुद्रा संकट के कारण पशु आहार के आयात पर असर पड़ने के कारण उसे अंडे की भारी कमी का सामना करना पड़ा था।

तकनीकी वस्त्र से जुड़े स्टार्टअप को अनुदान

■ इसके तहत ₹50 लाख देगी सरकार ■ 18 माह होगी अनुदान योजना की अवधि

नई दिल्ली (एसएनबी)।

सरकार ने मंगलवार को कहा कि वह तकनीकी वस्त्रों में नवोन्मेषण को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप और उद्यमियों को 50 लाख रुपए तक का अनुदान देगी।

कपड़ा मंत्रालय के संयुक्त सचिव राजीव सक्सेना ने कहा कि तकनीकी वस्त्रों के लिए स्टार्टअप दिशानिर्देश 'तकनीकी वस्त्र में आकांक्षी नवप्रवर्तकों के लिए अनुसंधान एवं उद्यमिता अनुदान' (ग्रेट) के तहत 50 लाख रुपए तक की अनुदान सहायता दी जाएगी। यह अनुदान 18 महीने की अवधि के लिए होगा।

उन्होंने यहां राष्ट्रीय तकनीकी कपड़ा मिशन (एनटीटीएम) की प्रगति के बारे में संवाददाताओं से कहा कि तकनीकी वस्त्रों में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। इसके अलावा दिशानिर्देशों में प्रोटोटाइप को प्रौद्योगिकी और फिर उसे उत्पाद में बदलने के लिए समर्थन दिए जाने की बात भी कही गई है।

सक्सेना ने कहा, 'हम बिना किसी रॉयल्टी या इक्विटी के अनुदान सहायता के रूप में 50 लाख रुपये तक का समर्थन करने जा रहे हैं। इनक्यूबेटर को केवल न्यूनतम 10 प्रतिशत योगदान करना है। यह काम आईआईटी, एनआईटी, कपड़ा शोध संघों और उत्कृष्टता केंद्रों जैसे इनक्यूबेटर द्वारा किया जा रहा है।' उन्होंने कहा कि ग्रेट योजना के तहत मंत्रालय ऐसे शोध को बढ़ावा दे रहा है, जहां कुछ प्रोटोटाइप विकसित किए गए हैं, और जिनका व्यावसायिक उपयोग किया जाना है।

अधिकारी ने कहा, 'अनुदान के लिए आवेदन करने को 10-15 दिन के भीतर एक ऑनलाइन पोर्टल तैयार किया जाएगा। हम 100-150 स्टार्टअप को समर्थन देने जा रहे हैं।'

- आवेदन करने वालों के लिए 15 दिन में शुरू हो जाएगा पोर्टल
- योजना के तहत करीब 150 स्टार्टअप को मिलेगा समर्थन

ABC TEXTILES

कोयला क्षेत्र में नहीं कम होंगे जॉब

■ सही योजना के साथ नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने से बची रहेंगी नौकरियां

नई दिल्ली (भाषा)।

अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के महानिदेशक अजय माथुर ने कहा कि सही योजना के साथ नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ने से भारत में कोयले पर निर्भर क्षेत्रों में नौकरियों का कोई नुकसान नहीं होगा।

उन्होंने बताया कि खासतौर से रूस-यूक्रेन युद्ध से पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर हुए असर को देखते हुए ऊर्जा सुरक्षा का मुद्दा महत्वपूर्ण है। भारत का इरादा देश में मौजूद एकमात्र भरोसेमंद ऊर्जा स्रोत कोयले को पूरी तरह खत्म करने का नहीं है, हालांकि 2030 तक इसकी हिस्सेदारी को मौजूदा 50 प्रतिशत से घटाकर 30 प्रतिशथ करने का लक्ष्य है। इस समय तक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 500 गीगावाट (जीडब्ल्यू) की होगी।

माथुर ने कोयले का इस्तेमाल कम करने से नौकरियां खत्म होने की आशंका के बारे में कहा कि नवीकरणीय क्षेत्र में रोजगार के बड़े अवसर हैं। उन्होंने कहा, 'हमें बहुत अधिक संख्या में प्रशिक्षित इलेक्ट्रीशियन की जरूरत है, जो आपके और मेरे घरों में स्थापित सौर प्रणालियों का रखरखाव कर सकें।'

उन्होंने कहा कि अगर ऊर्जा परिवर्तन की योजना सही तरह से बनाई जाए तो नौकरियों का कोई नुकसान नहीं होगा, और आखिरी कोयला संयंत्र उस दिन बंद होगा, जिस दिन आखिरी खनिक सेवानिवृत्त होगा।

पुंज लॉयड के लिए दूसरे दौर की ई-नीलामी में भी नहीं मिली बोली

नई दिल्ली (भाषा)।

परिसमापन के दौर से गुजर रही इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण कंपनी पुंज लॉयड दूसरे दौर की ई-नीलामी में भी किसी खरीदार को आकर्षित कर पाने में विफल रही है।

पुंज लॉयड ने कहा कि राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के निर्देश पर दूसरे दौर की ई-नीलामी आयोजित की गई थी। इसमें 1,061 करोड़ रुपये के आरक्षित मूल्य पर बोलियां आमंत्रित की गई थीं। हालांकि, इस नीलामी में पुंज लॉयड को खरीदने के लिए किसी ने भी दिलचस्पी नहीं दिखाई और कोई भी बोली नहीं लगाई गई।

45000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी मारुति

नई दिल्ली (भाषा)। मारुति ने अपनी वार्षिक उत्पादन क्षमता को आठ वर्षों में दोगुना कर 40 लाख इकाई तक लाने के लिए 45,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना बनाई है। कंपनी के चेयरमैन आरसी भार्गव ने यह जानकारी दी। उन्होंने मारुति सुजुकी की वार्षिक आम बैठक में कहा कि कंपनी शेयर विभाजन के लिए शेयरधारकों के सुझावों पर बोर्ड बैठक में विचार करेगी। भार्गव ने कहा कि वैश्विक आटो उद्योग शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन के लिए प्रयास कर रहा है, और इस दिशा में मारुति सुजुकी इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), हाइब्रिड, सीएनजी, इथेनॉल-मिश्रित तथा संपीड़ित बायोगैस जैसी प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल को बढ़ावा दे रही है।

मारुति के नए सीएफओ

नई दिल्ली (भाषा)। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने मंगलवार को अर्नब रॉय को मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) मनोनीत किया है। उनकी नियुक्ति 16 अक्टूबर, 2023 से प्रभावी होगी। वह वर्तमान में सीएफओ का पद संभाल रहे अजय सेठ का स्थान लेंगे। सेठ इस साल के अंत में सेवानिवृत्त होंगे।

शेयरों में लगातार दूसरे दिन तेजी, सेंसेक्स 79 अंक चढ़ा

मुंबई (भाषा)। वैश्विक बाजारों में मजबूती के रुख के बीच धातु एवं बिजली क्षेत्र के अलावा चुनिंदा वित्तीय शेयरों में लिवाली से स्थानीय शेयर बाजार मंगलवार को लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक और एयरटेल जैसी दिग्गज कंपनियों में नुकसान से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों का लाभ सीमित रहा। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 79.22 अंक यानी 0.12 प्रतिशत चढ़कर 65,075.82 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 232.43 अंक तक उछल गया था।

नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी भी 36.60 अंक यानी 0.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,342.65 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में संबद्ध की गई जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने सर्वाधिक 4.72 प्रतिशत की छलांग लगाई। टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील, पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और इंडसइंड बैंक के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'फेडरल रिजर्व की तरफ से आगे ब्याज दर में कोई और बढोतरी न होने की उम्मीद में वैश्विक बाजारों में तेजी रही।

अपने टैक्सी बेड़े को दोगुना करेगी स्नैप-ई कैब्स

कोलकाता (भाषा)।

ऐप की मदद से टैक्सी सेवा मुहैया कराने वाली स्नैप-ई कैब्स ने 2023-24 के अंत तक अपने बेड़े को बढ़ाकर दोगुना से अधिक करने का लक्ष्य तय किया है। स्नैप-ई ब्रांड के तहत कारोबार का संचालन करने वाली कंपनी ईसी व्हील्स के प्रबंध निदेशक मयंक बिंदल ने कहा कि उनका फोकस छोटे शहरों पर रहेगा।

उन्होंने बताया कि कंपनी अगले कुछ वर्षों में भुवनेश्वर, गुवाहाटी, वाराणसी, रायपुर, इंदौर, भोपाल, जयपुर और अहमदाबाद पर खासतौर से ध्यान देगी। उन्होंने कहा, 'हम पर्यटकों को किफायती इलेक्ट्रिक वाहन भी उपलब्ध कराना चाहते हैं और इसकी शुरुआत वाराणसी-अयोध्या-चित्रकूट और पुरी-भुवनेश्वर-कोणार्क-चिलिका सर्किट से होगी।'

अमेरिकी कांग्रेस एआई फोरम में कई दिग्गज

■ जुकरबर्ग, मस्क, सुन्दर पिचाई, बिल गेट्स समेत कई अन्य लोग होंगे शामिल

वाशिंगटन (वार्ता)।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' (पुराना नाम ट्विटर) के मालिक एलन मस्क और फेसबुक के मालिक मार्क जुकरबर्ग अगले महीने अन्य उद्योग जगत के नेताओं के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर आयोजित अमेरिकी कांग्रेस फोरम में शामिल होंगे।

एक्सियोस ने मंगलवार को सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी। इस फोरम का आयोजन अमेरिकी सीनेट के बहुमत नेता चक शूमर करने वाले हैं। इस आयोजन का उद्देश्य कांग्रेस के सदस्यों को एआई तकनीक के बारे में जानकारी देना और विनियमन की नींव तैयार करना है।

इस मौके पर गूगल के अध्यक्ष सुंदर पिचाई, ओपनएआई के अध्यक्ष सैम अल्टमैन और माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स भी फोरम में शामिल होंगे।

छह नए देश शामिल होने पर वैश्विक जीडीपी में ब्रिक्स का होगा 30% हिस्सा

मुंबई (भाषा)।

ब्रिक्स में छह नए सदस्यों को शामिल करने से समूह के देशों का वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 30 प्रतिशत का हिस्सा होगा। एक शोध पत्र में कहा गया है कि वैश्विक आबादी का 46 प्रतिशत 'ब्रिक्स प्लस छह' देशों में होगा।

पिछले सप्ताह जोहांसबर्ग में संपन्न ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में मौजूदा सदस्यों ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका ने अर्जेंटीना, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को नए सदस्यों के तौर पर समूह में शामिल करने का निर्णय किया। नए सदस्य एक जनवरी, 2024 से ब्रिक्स का हिस्सा बन जाएंगे। ब्रिक नाम मूल रूप से 2001 में जिम ओ नील के नेतृत्व में गोल्डमैन सैक्स के अर्थशास्त्रियों ने दिया था। बाद में दिसंबर, 2010 में दक्षिण अफ्रीका को पांचवें सदस्य के रूप में जोड़ा गया और यह ब्रिक्स बना।

वर्तमान में, पांच सदस्यीय समूह में दुनिया की 40 प्रतिशत आबादी रहती है जबकि वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में इनकी हिस्सेदारी 26 प्रतिशत है। भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने एक अध्ययन पत्र में कहा कि छह नए सदस्यों को शामिल करने से समूह के देशों की आबादी 46 प्रतिशत और आर्थिक उत्पादन में इनका योगदान 30 प्रतिशत का होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि सबसे बड़ा प्रभाव वैश्विक कच्चे तेल उत्पादन की हिस्सेदारी पर होगा। यह मौजूदा 18 प्रतिशत से बढ़कर 40 प्रतिशत जबकि तेल खपत की हिस्सेदारी 27 प्रतिशत से बढ़कर 36 प्रतिशत हो जाएगी। इसी तरह, वैश्विक वस्तु व्यापार में उनकी हिस्सेदारी 20 प्रतिशत से बढ़कर 25 प्रतिशत और वैश्विक सेवा व्यापार में 12 से बढ़कर 15 प्रतिशत हो जाएगी। घोष ने कहा कि नए समूह से एक नए 'ग्लोबल साउथ' (विकासशील और अल्पविकसित देश) का उदय होगा। इसका कारण यह है कि जब वैश्विक मामलों, व्यापार, मुद्रा और ऊर्जा सुरक्षा की बात आती है तो ब्रिक्स छह नए सदस्य देशों के साथ 'ग्लोबल नॉर्थ' (विकसित देश) के दबदबे को लेकर एक भरोसेमंद विकल्प पेश करेगा।

उन्होंने कहा कि ब्रिक्स पासा पलटने वाला होगा। इससे वैश्विक व्यापार शर्तों को फिर से लिखा जाएगा। नया समूह नई वैश्विक व्यवस्था की धुरी हो सकता है।

हीरो मोटोकॉर्प ने लांच की नई करिज्मा

नई दिल्ली (वार्ता)।

दुपहिया बनाने वाली हीरो मोटोकॉर्प ने प्रीमियम सेगमेंट में अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए मंगलवार को अपनी बहुप्रतीक्षित करिज्मा एक्सएमआर मोटरसाइकिल लॉन्च की जिसकी दिल्ली में एक्स शोरूम कीमत 172900 रुपए है।

कंपनी के सीईओ निरंजन गुप्ता ने इस बाइक को लांच करते हुए कहा कि नई करिज्मा एक्सएमआर अपनी श्रेणी में सबसे दमदार मोटरसाइकिल है। यह बाइक 210 सीसी के लिक्विड कूल्ड डीओएचसी इंजन और 6-स्पीड ट्रांसमिशन द्वारा संचालित होती है, जो स्लिप और असिस्ट क्लच तथा डुअल चैनल एबीएस के साथ आती है।

एशिया कप 2023 का रोमांच आज से, छह टीमों के बीच होगी खिताब के लिए जंग

19 दिन में खेले जाएंगे 13 मैच, 100 से ज्यादा क्रिकेटर दिखाएंगे अपना दमखम

नई दिल्ली,(एजेंसी)। एशिया कप के 16वें संस्करण का आगाज वनडे प्रारूप में बुधवार 30 अगस्त से होगा। टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच पाकिस्तान और नेपाल के बीच मुल्तान में खेला जाएगा। मैच से पहले एक भव्य ओपनिंग सेरेमनी का भी आयोजन किया जाएगा। इसमें मशहूर सिंगर एआर रहमान और आतिफ असलम की आवाज का जादू देखने को मिलेगा। 30 अगस्त से 17 सितंबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में छह टीमों के लगभग 100 खिलाड़ी 19 दिन में 13 मैचों में हिस्सा लेंगे।

यह टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल पर खेला जा रहा है। जिसमें पाकिस्तान चार मैचों की मेजबानी करेगा। वहीं श्रीलंका को फाइनल समेत कुल 9 मैचों की मेजबानी करने का मौका मिला है। एशिया कप के ग्रुप राउंड में एक-दूसरे के खिलाफ सभी टीमें एक-एक मैच खेलेंगी। दोनों ग्रुप में शीर्ष दो पर रहने वाली दो टीमें सुपर-4 राउंड में जाएंगी। वहां एक-दूसरे के खिलाफ चारों टीमें खेलेंगी। सुपर-4 से टॉप दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी। एशिया कप पहली बार 1984 में वनडे प्रारूप में हुआ था। हालांकि हाल के वर्षों में वनडे और टी20 प्रारूप में भी आयोजित किया गया। इस बार पांच साल बाद टूर्नामेंट वनडे प्रारूप में होगा। इससे पहले 2018 में टूर्नामेंट का आयोजन वनडे प्रारूप में किया गया था। पिछला सीजन टी-20 प्रारूप में हुआ था। भारत अपने अभियान का आगाज दो सितंबर को चिर-प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के खिलाफ करेगा, जबकि उसका दूसरा मुकाबला चार सितंबर को नेपाल के साथ होगा। नेपाल के हाथों कोई उलटफेर न होने पर भारत-पाकिस्तान का सुपर चार में पहुंचकर एक बार फिर भिड़ना तय है।

BYJU'S
ASIA CUP

एशिया कप का शेड्यूल

दिनांक	मैच	स्थान
30 अगस्त	पाकिस्तान V/s नेपाल	मुल्तान
31 अगस्त	बांग्लादेश V/s श्रीलंका	कैंडी
2 सितंबर	भारत V/s पाकिस्तान	कैंडी
3 सितंबर	बांग्लादेश V/s अफगानिस्तान	लाहौर
4 सितंबर	भारत V/s नेपाल	कैंडी
5 सितंबर	श्रीलंका V/s अफगानिस्तान	लाहौर
सुपर-4 स्टेज		
6 सितंबर	ए-1 V/s बी-2	लाहौर
9 सितंबर	बी-1 V/s बी-2	कोलंबो
10 सितंबर	ए-1 V/s ए-2	कोलंबो
12 सितंबर	ए-2 V/s बी-1	कोलंबो
14 सितंबर	ए-1 V/s बी-1	कोलंबो
15 सितंबर	ए-2 V/s बी- 2	कोलंबो
17 सितंबर	फाइनल	कोलंबो

नोट: सुपर-4 में भारतीय टीम टीम जगह बनाती है तो उसे ए-2 का दर्जा मिलेगा। वहीं पाकिस्तान ए-1 ही रहेगा। अगर नेपाल क्वालीफाई करता है तो वह बाहर होने वाली टीम की जगह लेगा। वहीं दूसरे ग्रुप में श्रीलंका बी-1 रहेगा। वहीं बांग्लादेश को बी-2 का दर्जा मिलेगा। ग्रुप ए की तरह ही अगर अफगानिस्तान क्वालीफाई करता है तो बाहर होने वाली टीम की जगह लेगा।

अब तक एशिया कप का खिताब जीतने वाली टीमें

अब तक के इतिहास में एशिया कप के 15 सीजन में सिर्फ तीन टीमों ने ही खिताब अपने नाम किया हैं। बांग्लादेश की टीम तीन बार फाइनल खेली है, लेकिन उसे ट्रॉफी उठाने का मौका नहीं मिला है।

भारत: 07 बार (1984, 1988, 1990-91, 1995, 2010, 2016, 2018)।

श्रीलंका: 06 बार (1986, 1997, 2004, 2008, 2014, 2022)।

पाक: 02 बार (2000, 2012)।

किस ग्रुप में कौन-सी टीमें

ग्रुप-ए: भारत, पाकिस्तान व नेपाल।

ग्रुप-बी: श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान।

इन मैदानों पर खेले जाएंगे मैच

एशिया कप के मैच पाकिस्तान के मुल्तान स्थित मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम और लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसके अलावा श्रीलंका के कैंडी स्थित पल्लेकेले इंटरनेशलन क्रिकेट स्टेडियम और कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में भी मैचों का आयोजन होगा।

एशिया कप के शुरुआती दो मैच नहीं खेल सकेंगे केएल राहुल

भारत के दाएं हाथ के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल पूरी तरह फिट नहीं हो पाने के कारण एशिया कप के शुरुआती दो मैचों में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। बीसीसीआई ने कोच राहुल द्रविड़ के हवाले से ट्वीट किया, केएल राहुल वास्तव में अच्छी प्रगति कर रहे हैं, लेकिन पाकिस्तान और नेपाल के खिलाफ भारत के पहले दो मैचों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। उल्लेखनीय है कि राहुल जांघ की सर्जरी करवाने के बाद राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैब प्रक्रिया पूरी कर भारत की 17 सदस्यीय टीम में शामिल हुए थे।

द्रविड़ बोले, 18 महीने से तैयार थे नंबर 4 और 5 के बल्लेबाज: भारत के हेड कोच राहुल द्रविड़ एशिया से जब नंबर 4 और नंबर 5 को लेकर सवाल पूछा गया तो वह नाराज होकर बोले, बैटिंग में कोई दिक्कत नहीं, 18 महीने से नंबर 4 और 5 की पोजीशन के लिए केएल राहुल, श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत को तय किया गया था। लेकिन तीनों चोटिल हो गए, जिससे दूसरे लोगों को आजमाया गया।

39 साल में पहली बार भारत-पाक के बीच खिताबी मुकाबले की उम्मीद

एशिया कप की शुरुआत 39 साल पहले 1984 में हुई थी। इसके बाद से 2022 तक टूर्नामेंट का 15 बार आयोजन हो चुका है, लेकिन एशिया की दो दिग्गज टीमें यानी भारत-पाकिस्तान के बीच फाइनल में कभी भिड़ंत नहीं हुई। एशिया कप 2023 में सुपर-4 की टॉप दो टीमों के बीच फाइनल होगा। सुपर-4 में भारत और पाकिस्तान का पहुंचना तय माना जा रहा है। सुपर-4 में दोनों टीमों ने अच्छा प्रदर्शन किया तो दोनों के बीच फाइनल हो सकता है। ऐसा हुआ तो टूर्नामेंट में पहली बार दोनों टीमों के बीच खिताबी टक्कर होगी। भारत सर्वाधिक खिताब जीतने वाला देश है। एशिया कप का पहली बार आयोजन शारजहां में 1984 में हुआ था। तब भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका इसका हिस्सा था। कुल 3 मैच हुए और भारत दोनों टीमों को हराकर चैंपियन बना।

ओपनिंग मैच में पाकिस्तान नेपाल के बीच होगी भिड़ंत

एशिया कप में पहली बार खेलेगा नेपाल

मुल्तान,(एजेंसी)। पाकितान और नेपाल बुधवार को एशिया कप के पहले मुकाबले में भिड़ेंगे। इस मुकाबले के लिए 30,000 दर्शकों की क्षमता वाले मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम के सभी टिकट बिक चुके हैं।

नेपाल पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगा। यह मुकाबला मेजबान टीम की तरफ झुका हुआ होने की उम्मीद है, हालांकि इस विश्व कप चक्र में नेपाल ने पाकिस्तान से अधिक वनडे मैच खेले हैं और अप्रैल-मई में एसीसी पुरुष प्रीमियर कप जीतकर एशिया कप में पहुंची है। मुल्तान में पाकिस्तान ने 10 एकदिवसीय वनडे मैच खेले हैं। इसमें से उसने 7 में जीत हासिल की है। पाकिस्तान टीम की जो हाल ही में अफगानिस्तान को तीन मैचों की वनडे सीरीज में क्लीन स्वीप करके आ रहा हैं। पाक के कप्तान बाबर आजम शानदार फॉर्म में है। बाबर के अलावा सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक टीम को अच्छी शुरुआत दिला रहे है। वहीं मिडिल आर्डर में मोहम्मद रिजवान भी बड़ी पारी खेलने का दम रखते है। गेंदबाजी में पाक की शाहीन अफरीदी, हैरिस रउफ और नसीम शाह की तिकड़ी को खेलना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा। वहीं नेपाल की टीम ने भी अपने पिछले 5 मे से 2 मैच में जीत हासिल की है। नेपाल को रोहित पौडेल की अगुआई में काफी उम्मीद होगी। रोहित नेपाल के लिए वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज है। वहीं टीम में आसिफ शेक, कुशल भुरटेल और दीपेंद्र सिंह जैसे बल्लेबाज है।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं...

नेपाल: रोहित पौडेल (कप्तान), कुशल भुर्तेल, आसिफ शेख (विकेटकीपर), भीम शर्की, कुशल मल्ला, आरिफ शेख, दीपेंद्र सिंह ऐरी, गुलशन झा, सोमपाल कामी, करण केसी, संदीप लामिछाने, ललित राजबंशी, प्रतीश जीसी, श्याम ढकाल, संदीप जोरा, किशोर महतो और अर्जुन साउद।

पाकिस्तान: बाबर आजम (कप्तान), अब्दुल्ला शफीक, फखर जमान, इमाम-उल-हक,सलमान अली आगा, इफ्तिखार अहमद, तैयब ताहिर, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद हारिस, शादाब खान, मोहम्मद नवाज, उसामा मीर, फहीम अशरफ, हारिस रऊफ, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, शाहीन अफरीदी।

पिच रिपोर्ट

पाकिस्तान और नेपाल की टीम पहली बार आमने -सामने होंगी। नेपाल पहली बार एशिया कप में खेलती हुई नजर आएगी। दोनों के बीच मैच पाकिस्तान के मुल्तान स्टेडियम में होगा। इस मैदान पर अब तक कुल 10 वनडे मैचों में पांच बार रन चेज करने वाली टीम जीतीं हैं। वहीं 5 मुकाबले डिफेंड करने वाली टीम ने भी जीते हैं। इस मैदान पर तेज गेंदबाज अपनी रफ्तार से सामने वाले बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं।

सिटी स्पोर्ट्स

बीएमएचआरसी में खेल दिवस पर आयोजित हुईं प्रतियोगिताएं

भोपाल,(खेसं)। भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (बीएमएचआरसी) में राष्ट्रीय खेल दिवस धूमधाम से मनाया गया। इसके तहत बीते एक हफ्ते के दौरान बीएमएचआरसी के नर्सिंग कॉलेज और पैरामेडिकल संस्थान में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। मंगलवार को बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ मनीषा श्रीवास्तव ने सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। डॉ मनीषा श्रीवास्तव ने सभी कर्मचारियों व विद्यार्थियों को खेल दिवस की शुभकामना दी। उन्होंने कर्मचारियों और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सिर्फ जीतना ही सबकुछ नहीं होता, हारना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। हार हमें अपने अहंकार पर विजय प्राप्त करना सिखाती है। डॉ मनीषा श्रीवास्तव ने आयोजन समिति के सभी सदस्यों को प्रतियोगिताओं व कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई दी और कहा कि पूरी टीम ने बहुत ही कम समय में बहुत अच्छा आयोजन किया। बीएमएचआरसी के नर्सिंग कॉलेज और पैरामेडिकल संस्थान में बीते एक हफ्ते के दौरान हॉकी, फुटबॉल, वॉलिबाल, क्रिकेट, खो–खो, रस्साकशी, शतरंज व अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। गौरतलब है कि भारत में महान भारतीय हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के दिन को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है।

प्रतियोगिता - 2023
29 अगस्त 2023

खेल दिवस पर अंजलि, नीतू व कीर्ति केवट सम्मानित

भोपाल,(खेसं)। मध्य प्रदेश कैनोइंग कयाकिंग के तत्वाधान में छोटे तालाब पर खेल दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें अनिल अग्रवाल उपाध्यक्ष भोपाल विकास प्राधिकरण के मुख्य अतिथि तथा रश्मि श्रीवास्तव अध्यक्ष न्यूट्रिशन संगठन मप्र की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर डॉ रश्मि केला होलानी उपाध्यक्ष एमपीकेसीए ओम बाबू मिश्रा वरिष्ठ एडवोकेट तथा सी एस के खरे, उपस्थिति में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अंजलि विशिष्ट, नीतू वर्मा, कीर्ति केवट, रामकन्या दांगी और आरती नाथ को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा मेजर ध्यानचंद की शिवनी पर प्रकाश डाला तथा खिलाड़ियों को उनसे प्रेरणा लेने हेतु प्रोत्साहित किया इस अवसर पर अनिल अग्रवाल उपाध्यक्ष भोपाल विकास प्राधिकरण द्वारा खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिता में पुरस्कार देने की घोषणा की इस अवसर पर रश्मि श्रीवास्तव द्वारा खिलाड़ियों को डाइटिशियन के संबंधित में जानकारी दी।

एसपीए कॉलेज में 9 दिवसीय खेल महोत्सव संपन्न

भोपाल,(खेसं)। एसपीए कॉलेज भौरी में मेजर ध्यानचंद स्मृति में आयोजित 9 दिवसीय खेल महोत्सव का राष्ट्रीय खेल दिवस के दिन रस्साकसी प्रतियोगिता से समापन हुआ। इन 9 दिनों में संस्थान में मैराथन दौड़,वॉलीबाल, बास्केटबाल,शतरंज, मिस्टर फिट और मिस फिट एसपीए, फुटबाल, बच्चों के गेम्स, एरोबिक्स जुंबा, ई स्पोर्ट्स एवं अंतिम दिन रस्साकसी की प्रतियोगिता आयोजित हुई। अंतिम दिन मेजर ध्यानचंद जी के जन्म अवसर पर पुष्प अर्पित कर उनकी खेल शैली और देश को दिलाए सम्मान को याद किया।

52वीं सीनियर नेशनल पुरुष हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए भोपाल के दो खिलाड़ी मप्र के दल में शामिल

भोपाल,(खेसं)। 52वीं सीनियर नेशनल पुरुष हैंडबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 1 से 5 सितंबर 2023 को श्रीनगर, कश्मीर में होगा। इसके लिए मध्य प्रदेश का दल रवाना हो रहा है, जिसमे भोपाल जिला हैंडबॉल संघ के दो खिलाड़ी करीम उद्दीन और मनोज बडोला (म.प्र. पुलिस) व कोच भरत पांडे (म.प्र. पुलिस) मध्य प्रदेश हैंडबॉल टीम का राष्ट्र प्रतियोगिता में प्रतिनित्व करेंगे। सभी खिलाड़ियों को मध्यप्रदेश हैंडबॉल संघ के सचिव हरदीप सिंह रुप्पल, भोपाल जिला हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष कृष्णा घाडगे, सचिव संदीप राव और भोपाल जिला हैंडबॉल संघ एवं म.प्र. पुलिस के सभी सीनियर खिलाड़ियों ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए अपनी खुशी व्यक्त की।

5एस विश्व कप क्वॉलीफायर में भारत की विजयी शुरुआत

हॉकी: बांग्लादेश को 15-1 से रौंदा

सालालाह, (एजेंसी)। मनिंदर सिंह के चार गोल और मोहम्मद राहिल की हैट्रिक की मदद से भारत ने बांग्लादेश को 15-1 से हराकर पुरुष एशियाई हॉकी 5एस विश्व कप क्वॉलीफायर में अपने अभियान की शुरुआत की। भारतीय टीम ने अपने कमजोर प्रतिद्वंदी के खिलाफ शुरू से ही दबदबा बनाए रखा। बांग्लादेश ने शुरू में गोल कर दिया था लेकिन इसके बाद भारत ने उसको आगे ऐसा कोई मौका नहीं दिया। भारत की तरफ से मनिंदर ने 10वें, 18वें, 28वें और 30वें मिनट में जबकि राहिल ने दूसरे, 15वें और 24वें मिनट में गोल किए। इनके अलावा सुखविंदर (13वें, 22वें), गुरजोत सिंह (13वें, 23वें) और पवन राजभर (19वें, 26वें) ने दो-दो जबकि मंदीप मोर (आठवें), और दिपसन तिर्की (नौवें) ने एक-एक गोल दागा। बांग्लादेश के लिए एकमात्र गोल सावोन सरोवर (दूसरे मिनट) ने किया। भारत बुधवार को दो मैच खेलेगा। पहले उसका सामना मेजबान ओमान से होगा और फिर वह चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान से भिड़ेगा।

विधायक कप टूर्नामेंट में जेवियर और महात्मा गांधी स्कूल ने जीता खिताब

भेल,(खेसं)। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित विधायक कप 2023 गोविंदपुरा विधायक कप 2023 बॉस्केटबॉल के अंतिम दिन बहुत ही रोमांचक मुकाबले खेले गए। बेटियों ने गजब का प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबले में सेंट जेवियर 49 प्वाइंट और सेंट थेरेसा 46 प्वाइंट के साथ सेंट जेवियर स्कूल की टीम प्रथम स्थान प्राप्त करने में कामयाबी हासिल कर विधायक कप पर कब्जा जमाया। वहीं दूसरी और बॉयज में महात्मा गांधी स्कूल 40 प्वाइंट और सेंट जेवियर स्कूल 18 प्वाइंट के साथ खेले और इस तरह महात्मा गांधी स्कूल की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। पुरस्कार वितरण मुख्य अतिथि विपुल अग्रवाल महाप्रबंधक बी एचईएल और विशिष्ट अतिथि शिवलाल मकोरिया पार्षद वार्ड 63, श्रीमती नूरजहां बानो ब्लॉक खेल समन्वयक भोपाल, एआईबीईयू यूनियन के महासचिव निपटू के प्रदेश अध्यक्ष रामनारायण गिरी के हाथों किया गया ।

रग्बी कार्निवल: शाजापुर व देवास ने जीते जूनियर वर्ग के खिताब

भोपाल,(खेसं)। मध्य प्रदेश रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वाधान में एलएनसीटी खेल मैदान भोपाल में आयोजित दूसरी सब जूनियर एवं जूनियर मध्य प्रदेश रग्बी कार्निवल 2023 प्रतियोगिता के सब-जूनियर बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले मे देवास ने शाजापुर डिस्ट्रिक्ट को 5-0 से हराकर खिताब हासिल किया। हार्डलाइन मुकाबले में मंदसौर ने एकलव्य स्कूल को 10 - 05 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। जूनियर बालक वर्ग फाइनल मुकाबले मे शाजापुर ने देवास को 10 - 05 से हराकर विजेता बना। हार्डलाइन मुकाबले मे मंदसौर ने नर्मदापुरम को 10 - 05 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। सब जुनियर बालिका वर्ग के फाइनल मुकाबले मे बैतूल ने एकलव्य को 15-05 से हराकर फाइनल खिताब हासिल किया। हार्डलाइन मुकाबले मे शाजापुर ने जीनियस स्कूल को 10 - 00 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। जूनियर बालिका वर्ग के फाइनल मुकाबले मे देवास ने शाजापुर को 10 - 05 से हराकर विजेता रही। हार्डलाइन मुकाबले मे मंदसौर ने रायसेन को 15 - 05 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

दूसरे साल डब्ल्यूबीबीएल में हिस्सा नहीं लेंगी मंधाना

18 भारतीय महिला खिलाड़ियों के नाम ड्राफ्ट में शामिल

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय महिला टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना लगातार दूसरे साल महिलाओं की बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में हिस्सा नहीं लेंगी। उन्होंने पहली बार शुरू किए गए प्लेयर ड्राफ्ट के लिए नाम नहीं भेजा है।

मंधान को छोड़कर कप्तान हरमनप्रीत कौर, युवा हरलीन कौर, जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा सहित भारत की अन्य महिला क्रिकेटर का नाम 122 विदेशी खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल है, जिन्होंने 3 सितंबर को होने वाले ड्राफ्ट के लिए अपने नाम भेजे हैं। लिस्ट में कुल 18 भारतीय खिलाड़ी हैं जिसमें हरमनप्रीत (मेलबर्न रेनेगेड्स) और जेमिमा मेलबर्न स्टार्स के टीम में बरकरार रिटेंशन रखा जा सकता है। मंधाना ने पिछ्ले साल भी डब्ल्यूबीबीएल से हटने का फैसला किया था। वह आने वाले घरेलू सीजन पर ध्यान लगाना चाहती हैं और साथ ही आगे के बिजी इंटरनेशनल कैलेंडर ईयर के लिए अपना वर्कलोड मैनेज करना चाहती हैं।

ड्राफ्ट में शामिल भारतीय खिलाड़ी: यास्तिका भाटिया, हरमनप्रीत कौर मेलबर्न रेनेगेड्स, हरलीन देओल, हर्ले गाला, ऋचा घोष, मन्नत कश्यप, अमनजोत कौर, वेदा कृष्णमूर्ति, शिखा पांडे, श्रेयंका पाटिल, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स मेलबर्न स्टार्स, मेघना सब्बीनेनी, दीप्ति शर्मा, मेघना सिंह, रेणुका ठाकुर, पूजा वस्त्राकर और राधा यादव।

किंग्स कप के लिए भारतीय फुटबॉल टीम घोषित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत की सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक ने सात से 10 सितंबर तक थाईलैंड के चियांग माई में होने वाले 49वें किंग्स कप के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा मंगलवार को की, हालांकि कप्तान सुनील छेत्री इस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगे। फीफा रैंकिंग में 99वें स्थान पर मौजूद भारत सेमीफाइनल में सात सितंबर को 700वीं वर्षगांठ स्टेडियम में 70वीं रैंक वाले इराक से भिड़ेगा। मेजबान थाईलैंड उसी दिन पर दूसरे सेमीफाइनल में लेबनान का मुकाबला करेगा। सेमीफाइनल जीतने वाली टीमें 10 सितंबर को फाइनल में भिड़ेंगी, जबकि हारने वाले टीमें तीसरे स्थान का प्ले-ऑफ खेलेंगे। भारत ने आखिरी बार 2019 में किंग्स कप में भाग लेकर कांस्य पदक जीता था।

भारतीय टीम : गोलकीपर: गुरप्रीत सिंह संधू, अमरिंदर सिंह, गुरुमीत सिंह। **डिफेंडर:** आशीष राय, निखिल पुजारी, संदेश झिंगन, अनवर अली, मेहताब सिंह, लालचुंगनुंगा, आकाश मिश्रा, सुभाशीष बोस। **मिडफील्डर:** जेकसन सिंह थौनाओजम, सुरेश सिंह वांगजाम, ब्रैंडन फर्नांडिस, सहल अब्दुल समद, अनिरुद्ध थापा, रोहित कुमार, आशिक कुरुनियन, नाओरेम महेश सिंह, लालियानज़ुआला छांगटे। **फॉरवर्ड:** मनवीर सिंह, रहीम अली, राहुल केपी।

अमेरिकी ओपन

24वें ग्रैंड स्लैम खिताब की ओर बढ़ाया पहला कदम

नोवाक जोकोविच ने की जीत के साथ वापसी

न्यूयॉर्क,(एजेंसी)। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने अमेरिकी ओपन 2023 के शुरुआती दौर में फ्रांस के एलेक्जेंडर मूलर को हराकर अपने 24वें ग्रैंड स्लैम खिताब की ओर पहला कदम बढ़ा लिया है।

विश्व नंबर एक जोकोविच ने सोमवार को खेले गए मुकाबले के शुरुआती छह गेम जीतकर जोरदार शुरुआत कर विश्व नंबर 84 पर 6-0, 6-2, 6-3 से जीत दर्ज की। उल्लेखनीय है कि जोकोविच पिछली बार 2021 में अमेरिकी ओपन में उतरे थे, जब डेनिल मेदवेदेव ने उन्हें फाइनल में हराकर साल के चौथे ग्रैंड स्लैम से वंचित कर दिया था। अमेरिका की कोविड वैक्सीन नीति के कारण जोकोविच 2022 में टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सके थे। दूसरे दौर में जोकोविच का मुकाबला स्पेन के बर्नाबे जपाटा मिरालेस से होगा, जो पहले चरण में एथन क्विन को 6-4, 6-4, 6-3 से हराकर आ रहे हैं। दिन के अन्य मुकाबलों में यूनान के स्टेफानोस सितसिपास ने कनाडा के मिलोस राओनिक को 6-2, 6-3, 6-4 से हराया। अमेरिका के टॉमी पॉल ने स्टेफानो त्रावाग्लिया को 6-2, 6-3, 4-6, 6-1 से मात दी। चौथी वरीयता प्राप्त होलगर रुने को 63वीं रैंकिंग के खिलाफ रोबर्टो कारबालेस के खिलाफ 6-3, 4-6, 6-3, 6-2 से शिकस्त मिली।

भारतीय टेंट पेगिंग टीम के राइडरों ने कहा, परिस्थितियों में अचानक बदलाव के कारण स्वर्ण से चूक गए

भारतीय राइडरों के लिए दक्षिण अफ्रीका में टेंट पेगिंग विश्व कप में पहली बार कांस्य पदक जीतना एतिहासिक उपलब्धि थी लेकिन पदक का जश्न मनाने की जगह भारतीय घुड़सवार अपने आंसू नहीं रोक पा रहे थे। भारतीय टीम ने कांस्य पदक जीता लेकिन वह स्वर्ण पदक जीतने की दौड़ में शामिल थी। भारतीय टीम में नौसेना के मोहित कुमार, असम राइफल्स के दिनेश कार्लेकर, एएससी के हवलदार गौतम अट्टा, 61वें कैवेलरी के दफादार मोहम्मद अबरार और आईटीबीपी के डॉ. अमित छेत्री शामिल थे। भारतीय टीम के पास अंतिम दिन स्वर्ण पदक जीतने का मौका था लेकिन कुछ देर की बारिश और तेज हवाओं ने परिस्थितियों को बदल दिया जिसका टीम को नुकसान हुआ। भारतीय टीम अंततः स्वर्ण पदक विजेता सऊदी अरब से 12 और रजत पदक विजेता पाकिस्तान से चार अंक पीछे रही। सऊदी अरब और पाकिस्तान की बारी जब आई तो बारिश और हवा दोनों रुक चुकी थी। भारतीय राइडरों ने प्रतियोगिता के दूसरे और तीसरे दिन दो कांस्य पदक भी जीते। भारतीय कोच सतिंदर सिंह सोलंकी ने कहा, यह हमारे लिए संतोषजनक प्रदर्शन है लेकिन टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक हमारा था। किसी को विश्वास नहीं हो रहा था कि भारतीय टीम अंतिम तीन प्रयास में पेग से चूक गई। उन्होंने कहा, राइडरों की आंखों में आंसू थे। मुझे उन्हें सांत्वना देनी पड़ी। उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था कि परिस्थितियों के कारण उनसे पदक छिन गया। सोलंकी ने कहा, आयोजक बारिश के कारण प्रतियोगिता को रोकना चाहते थे लेकिन हम चाहते थे कि स्वर्ण पदक के लिए चुनौती पेश करें इसलिए हम मैदान पर उतरे। यह भी काफी संतोषजनक है कि क्वालीफायर में 470 अंक बनाने के बाद हम फाइनल में 560 अंक बनाने में सफल रहे, लगभग 100 अंक का इजाफा छोटी उपलब्धि नहीं है। पिछले दो विश्व कप में भारतीय टीम छठे और सातवें स्थान पर रही। सीनियर राइडर कार्लेकर प्रिटोरिया के जॉर्ज में हुए विश्व कप में चौथे सर्वश्रेष्ठ राइडर रहे। कार्लेकर अपने करियर में बमुश्किल तलवार से नींबू काटने (टेंट पेंगिंग स्पर्धा का एक हिस्सा) से चूके हैं लेकिन मुश्किल परिस्थितियों में वह ऐसा नहीं कर पाए जिससे टीम का प्रदर्शन प्रभावित हुआ। कार्लेकर ने कहा, हालात में बदलाव के कारण मेरा प्रदर्शन प्रभावित हुआ लेकिन कुल मिलाकर हम सभी के लिए यह अच्छा अनुभव रहा। उन्होंने कहा, पहले दिन मुझे बहुत छोटा घोड़ा मिला था लेकिन दूसरे दिन जब घोड़ा बदला गया तो मैंने काफी अंक जुटाए। सर्वश्रेष्ठ टीम के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करना और उन्हें कड़ी चुनौती देना शानदार रहा।

लोक साहित्य

डा सत्यभामा आड़िल

आंचलिक संस्कृति में खल्टाही बोली का प्रभाव

छत्तीसगढ़ में यह बोली बालाघाट जिले के पूर्वी भाग, कौडिया, सेलेटेकडी, भीमलाट तथा रायगढ़ जिले के कुछ भागों में बोली जाती है। खल्टाही की व्युत्पत्ति खल्वातिक से हुई है, जो खलारी नामक स्थान का ही मूल संस्कृत नाम है। यद्यपि खल्टाही का अर्थ नीचे जाने के लिए उपयोग में लाया जाता है। इस बोली खल्टाही में वह के लिए 'ओ' का प्रयोग किया जाता है और कभी 'वो' का। इसी प्रकार वही के विकारी रूप के लिए 'वे' का प्रयोग भी किया जाता है। अधिकरण उपसर्ग के लिए इसमें 'मां' और 'में' दोनों का प्रयोग होता है। वर्तमान कालिक कृदंत बनाने के लिए छत्तीसगढ़ी के 'त' प्रत्यय के स्थान पर 'थ' का प्रयोग होता है यथा 'खाथे' खाता है 'करथे हौ' करता हूं 'रथस' रहता है। इसी प्रकार 'करे हौ' किया है के स्थान पर खलताही में 'करे होवो गा' और 'रहीस' रहा के स्थान पर 'रहिसे' का व्यवहार होता है।

पुस्तक समीक्षा

कलाकार संग मुहाचाही

कलाकार संग मुंहाचाही
हेमलाल साहू 'निर्मोही'

कृति के नाव
कलाकार संग मुंहाचाही
कृतिकार
हेमलाल साहू 'निर्मोही'
समीक्षक
आशु प्रकाशन रायपुर
प्रकाशक
डा. मुक्ति बैस
कीमत
सौ रूपए

लोक कला को जीवन भर आत्मसात करते खड़े साज नाचा के कलाकार हेमलाल साहू निर्मोही ने अपने अंचल के कलाकारों को अपनी इस पुस्तक 'कलाकार संग मुहाचाही' के माध्यम से जन समक्ष लाया है। आपके निवास वाले क्षेत्र में कई कलाकार ऐसे हुए जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ की लोक कला को बिखरने में कोई कमी नहीं की। पद्मश्री पूनाराम निषाद और जनाब शेर अली जैसे कलाकारों के साथ अपनी प्रतिभा का परिचय देने वाले 20 कलाकारों को आपने चिंहित कर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को अच्छे ढंग से यहां प्रस्तुत किया है। पाठकों तथा कलाप्रेमियों के लिए यह पुस्तक उपयोगी व महत्वपूर्ण साबित होगी।

कलचुरियों ने अनुमानतः दो-तीन पीढ़ियों तक राज्य किया। किंतु बाद में स्वर्णपुर के सोमवंशी राजा ने कलचुरी की इस शाखा को मार भगाया। बालहर्ष संतानहीन था। अतः छोटा भाई केयूरवर्ष (युवराज प्रथम) गद्दी पर बैठा। त्रिपुरी नरेश द्वितीय कोक्कल देव ई. 990 से 1014 के बीच पुनः दक्षिण कोसल को जीतकर तुम्मान में राजधानी स्थापित की। द्वितीय कोक्कल का पुत्र गांगेय देव गद्दी पर बैठा। महाप्रतापी एवं अत्यंत महत्वाकांक्षी होने के कारण अल्पावधि में ही इसने अपने वंश की कीर्ति को पुनः स्थापित किए।

इतिहास के पन्नों में कोसल राज का प्रथम शासक

ऐतिहासिक

डा. पुष्पा तिवारी

कोसल राज में कलचुरी वंश का संस्थापक तथा प्रथम ऐतिहासिक शासन कोक्कल प्रथम ई. 840 से 890 तक गद्दी पर बैठा। वह बड़ा ही महत्वाकांक्षी राजा था। कोक्कल ने चंदेल वंश की राजकुमारी से विवाह किए तथा अपनी पुत्री महादेवी का विवाह दक्षिण के राष्ट्रकूट नृपति द्वितीय कृष्णराज से कर राष्ट्र कूटों व चंदेलों से अच्छे संबंध स्थापित किए। कोक्कल ने भोज, वल्लराज, चित्रकूट के गुहिलराज हर्ष तथा सरयू पारी के कलचुरी राजाओं को मदद पहुंचाई तथा उत्तर और दक्षिण में अपना वर्चस्व स्थापित किया। तत्पश्चात द्वितीय शंकरगढ़ तथा उसका पुत्र बालहर्ष ने कोसल की विजय यात्रा की तथा सोमवंशी राजा को पराजित कर उसने पाली छीन लिया। इसकी राजधानी तुम्माण आज भी एक गांव है। कलचुरियों ने अनुमानतः दो-तीन पीढ़ियों तक राज्य किया। किंतु बाद में स्वर्णपुर के सोमवंशी राजा ने कलचुरी की इस शाखा को मार भगाया। बालहर्ष संतानहीन था। अतः छोटा भाई केयूरवर्ष (युवराज प्रथम) गद्दी पर बैठा। त्रिपुरी नरेश द्वितीय कोक्कल देव ई. 990 से 1014 के बीच पुनः दक्षिण कोसल को जीतकर तुम्मान में राजधानी स्थापित की। द्वितीय कोक्कल का पुत्र गांगेय देव गद्दी पर बैठा। महाप्रतापी एवं अत्यंत महत्वाकांक्षी होने के कारण अल्पावधि में ही इसने अपने वंश की कीर्ति को पुनः स्थापित किए। आरंभ में गांगेय देव ने चंदेल वंशी राजा विद्याधर की प्रभुता स्वीकार की, किंतु धीरे-धीरे अपनी स्थिति इतनी सुदृढ़ कर ली, कि वह स्वतंत्र राजा की हैसियत से अपना राज्य स्थापित करने में सफल हो गया।

अनेक तथ्यों को संजोए गढ़िया पहाड़

पर्यटन : रमेश कुमार वर्मा

छत्तीसगढ़ में बस्तर अंचल के कांकेर जिले स्थित गढ़िया पहाड़ में संकरा खोह मार्ग में स्थित गुफा को 'छूरी पगार गुफा' कहते है। इस गुफा के अंदर लगभग 500 लोगों को सुरक्षित रहने की व्यवस्था है। बताया जाता है कि सोम कंडरा और प्रारम्भिक चंद्रवंशी राजा शिव के भक्त थे, इसलिए उन्होंने यहां की पहाड़ी पर एक शिव मंदिर का भी निर्माण करवाया था। ई. 1345 से कंडरा राजा धर्मदेव का अभिषेक महोत्सव गढ़िया पहाड़ पर मनाया जाता था, किन्तु वर्ष 1385 में राजा छत्रदेव की मृत्यु के पश्चात यह परम्परा टूट गई। 617 वर्ष बाद 2002 से पुनः गढ़िया महोत्सव के नाम से नवरात्रि उत्सव की शुरूआत हुई। इस गुफा में प्रवेश करने के बाद छुरी आकार के पत्थर ऊपर की तरफ दिखते हैं। देखने पर गिरते हुए प्रतीत होते हैं। इस गुफा का उपयोग राजा युद्ध के समय अपने सैनिकों के साथ छिपने के लिए करते थे। हरी-भरी वादियों के बीच यहां पहुंचने के लिए रास्ता सुगम होने के कारण वर्ष भर पर्यटक पहुंचते रहते हैं।

आंचलिक कला में वैदिक युग का प्रभाव

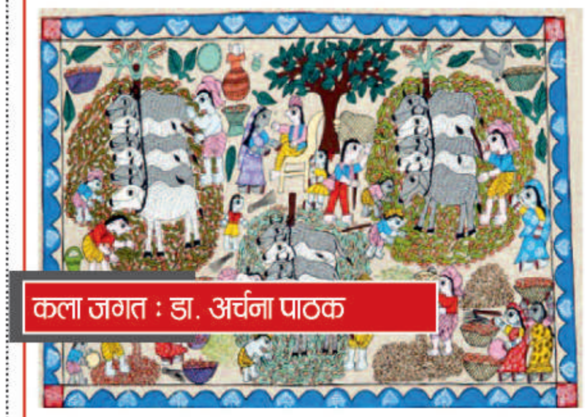

कला जगत : डा. अर्चना पाठक

संगीत के क्रमिक विकास में वैदिक युग का संगीत अधिकांश रूप में यज्ञों के अंगीभूत था। सामवेद में गेय छंद है। सामान्यतः उस समय तीन स्वर ही प्रमुख माने जाते थे। क्रमशः उदात्त, अनुदात्त और स्वरित के रूप में इनका अति महत्वपूर्ण वर्गीकरण हुआ था। स्वर सदा स्थान विशेष के अनुसार मंद, मध्य और उच्च रूप में रूपायित होते रहे हैं। याज्ञवल्क्य और पाणिनि के अनुसार परवर्ती काल में उपरोक्त तीन आदि स्वरों से ही षडजादि सात स्वर उत्पन्न हुए हैं। इस युग में वेद मंत्र रचे गए, इन मंत्रों के निर्माण में संपूर्ण वायुमंडल संगीतमय रहता था। अतः मंत्र रचयिता को संगीत का पूरा ज्ञान होता था। वैदिक काल में साम तथा सामेत्तर दो धाराओं में संगीत का प्रचलन था। छत्तीसगढ़ के वनप्रांतों में अनेक ऋषियों ने अपना आश्रम स्थापित किया था और उन पुण्य स्थलों पर लगातार यज्ञ की अग्नि प्रज्वलित रहती थी। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ के वन प्रांतों में भी उस समय लगातार साम तथा सामेतर संगीत की ध्वनि गुंजायमान रहती थी।

गांव की कहानी : डा प्रकाश

अंग्रेज शासन काल से नाम हुआ गांव का ठेकवाडीह

बालोद जिले के गुरुर विकासखंड से 3 किलो मीटर उत्तर दिशा में गांव ठेकवाडीह स्थित है। करीब सौ वर्षों तक यहां मराठों ने शासन किया। छत्तीसगढ़ी में ठेकवा और ठेकला का अर्थ एक ही होता है। यह पैसा जमा करने के लिए मिट्टी का एक पात्र होता है। जिस तरह लोटा से लोटवा शब्द बना, वैसे ही ठेका से ठेकवा शब्द बन गया है। मराठा काल में टकौली वसूल करने का ठेका लिया जाता था। इस गांव का मुखिया मालगुजार था, जिसे भूमिपति या अधिपति भी कहा जाता था। वह किसानों से धन के रूप में राजस्व वसूल कर चौरासी पति के पास पहुंचाता था। इसी विशेष कार्य के कारण गांव का नाम ठेकवा पड़ा। मराठों ने गांव का नाम ठेकवाड़ी दिया था। बाद में छत्तीसगढ़ी में इसे ठेकवा के साथ डीह जोड़कर ठेकवाडीह कहा गया। यह गांव कला-संस्कृति और साहित्य से समृद्ध है। नाचा गम्मत के कई कलाकारों ने गांव का नाम रोशन किया है, साथ ही धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन वर्ष भर इस गांव में होते ही रहते हैं।

सुरता

प्रो.अश्विनी केशरवानी

पांडेयजी का साहित्यिक योगदान उल्लेखनीय रहा

पुरुषोत्तम प्रसाद पांडेय मालगुजारी कार्यों से समय निकालकर विद्योपार्जन, साहित्य साधना और भ्रमण आदि किया करते थे। अनंत लेखावली का संपादन आपने पौष सुद्दी 4 संवत 1964 को किया था। उनकी दो पुस्तके क्रमशः 'लाल गुलाब' कहानी संग्रह और 'आनंद का टोकना' निबंध संग्रह प्रमुख हैं। आपके घर में अपनी दादी के नाम पर निर्मित पार्वती पुस्तकालय था, जहां अनेक धार्मिक और साहित्यिक पुस्तकें संग्रहित थीं। यही पुस्तकालय आगे चलकर पांडे परिवार का प्रेरणा स्रोत बना।

भारतेंदु युग के समय के साहित्यकारों में पंडित पुरुषोत्तम प्रसाद पांडेय का भी उल्लेखनीय योगदान रहा है। पुरुषोत्तम प्रसाद पांडेय मालगुजारी कार्यों से समय निकालकर विद्योपार्जन, साहित्य साधना और भ्रमण आदि किया करते थे। उन्होंने स्वाध्याय से हिंदी, संस्कृत, बंगला, उड़िया और उर्दू भाषा सीखी। वह अपने भ्राता पंडित अनंत राम पांडेय के आमंत्रण पर रायगढ़ जाया करते थे और वहां के प्रसिद्ध गणेश उत्सव में पधारे साहित्यिक विद्वानों और कलाकारों से मुलाकात किया करते थे। वह अपनी मनसा अनुरूप गद्य-पद्य रचनाओं को संग्रहित कर 'अनंत लेखावली' शीर्षक से संपादित कर नटवर प्रेस रायगढ़ से प्रकाशित कराए। पांडेय जी इस पुस्तक में लिखते हैं-श्री श्री महाराज रायगढ़ाधीश राजा भूपदेवसिंह बहादुर फ्यूडेटरी के द्वितीय पुत्र युवराज चक्रधर सिंह नान्हे महाराज के शुभ जन्मदिन के उपलक्ष्य में चक्रधर पुस्तक माला के प्रथम कुसुम के रूप में मुद्रित और प्रकाशित। अनंत लेखावली का संपादन आपने पौष सुदी 4 संवत 1964 को किया था। उनकी दो पुस्तके क्रमशः 'लाल गुलाब' कहानी संग्रह और 'आनंद का टोकना' निबंध संग्रह प्रमुख हैं। आपके घर में अपनी दादी के नाम पर निर्मित पार्वती पुस्तकालय था, जहां अनेक धार्मिक और साहित्यिक पुस्तकें संग्रहित थीं। यही पुस्तकालय आगे चलकर पांडे परिवार का प्रेरणा स्रोत बना। इस परिवार के अधिकाश लोग रायगढ़ में रहने लगे। आपके सभी भाई उच्च कोटि के साहित्यकार हुए। आज भी पांडेय कुल के लोगों में साहित्यिक प्रतिभा दृष्टव्य है। पांडे परिवार के साहित्यिक अवदान को विस्मृति नहीं किया जा सकता।

जिले में सघन कुष्ठ रोगी खोजी एवं निगरानी अभियान 30 सितम्बर तक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। 1 सितंबर से 30 सितंबर तक सघन कुष्ठ रोगी खोजी एवं निगरानी अभियान जनपद में चलाया जाना है। जिसको लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सभागार में बुधवार को समीक्षा बैठक एवं कार्यशाला का आयोजन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ देश दीपक पाल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें जनपद के समस्त एनएमए , एनएमएस एवं चिकित्सा अधिकारी मौजूद रहे। जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ रामकुमार ने बताया कि सघन कुष्ठ रोगी खोजी एवं निगरानी अभियान 1 सितंबर से 30 सितंबर तक चलाया जाना है। जिसके लिए इस कार्यशाला एवं समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जिसके माध्यम से बैठक में आए हुए लोगों को बताया गया कि इस अभियान में आशा कार्यकर्ता वह पुरुष कार्यकताओं द्वारा घर-घर जाकर सुन्न दाग एवं धब्बों की जांच की जाएगी। उन्होंने जनपद के लोगों से अपील करते हुए कहा कि अभियान का सहयोग करें। सुन्न दाग एवं धब्बों की जांच करने पर रोग की पुष्टि होने के उपरांत जिले के समस्त सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केदो पर निशुल्क इलाज कराया जाएगा। उन्होंने कुष्ठ रोगों के लक्षणों के बारे में बताया । त्वचा के रंग मे कोई भी परिवर्तन, त्वचा पर लाल रंग या फीके रंग का धब्बा साथ ही उसमें पूर्ण रूप से सुन्नपन अथवा सुन्नपन का अहसास होता है। चमकीली व तैलीय त्वचा, कर्ण पल्लव का मोटा होना कर्ण पल्लव पर गांठें या त्वचा पर गांठें, नेत्रों को बंद करने में दिक्कत या उससे पानी आना, भौहों का खत्म होना, हाथों में घाव या दर्द रहित घाव अथवा हथेली पर छाले, कमीज या जैकेट के बटन बंद करने में असमर्थता, हाथ या पैर की उंगलियां मुड़ तो नहीं गई है, फुट ड्रॉप अथवा चलते समय पैर घिसटते तो नहीं हैं। कार्यशाला में एसीएमओ डॉ मनोज कुमार, डॉ सुजीत कुमार मिश्रा, डॉ जय नाथ सिंह, अखिलेश कुमार, श्याम बिहारी, जयप्रकाश के साथ अन्य लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने की जिला सलाहकार समिति व समीक्षा समिति की बैठक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में बुधवार को जिला स्तरीय सलाहकार समिति डी.सी.सी व जिला स्तरीय समीक्षा समिति डी.एल.आर.सी की बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार, गाजीपुर में किया गया। जिसमे जिले के सभी बैंक समन्वयक, अग्रणी जिला प्रबंधक, जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड एवं जिले में कार्यरत विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में जून 2023 तक की प्रगति की समीक्षा की गयी। जिसमे वित्तीय समावेशन, जिले का ऋण जमानुपात एवं जिले मे संचालित उत्तर प्रदेश एवं भारत सरकार के योजनाओ जैसे पीएमएफएमई, एआईएफ, किसान क्रेडिट कार्ड, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पीएम स्वनिधि, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद, प्रधान मंत्री जन धन योजना एवं अन्य योजनाओ पर विशेष चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने सभी बैंकों के जिला समन्वयक को निर्देशित किया की सभी शासकीय योजनाओं की लंबित पत्रावलियों को निस्तारित करें एवं ऋण वितरण पर जोर दें, ताकि जिले का ऋण जमानुपात में बढ़ोतरी हो सके। जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड द्वारा सदन को एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फण्ड तथा विभिन्न योजनाओं के बारें में विस्तृत जानकारी दी गयी। अग्रणी जिला प्रबंधक ने वित्तीय समावेशन एवम् सरकार प्रायोजित योजनाओं के अंतर्गत शत-प्रतिशत प्रगति करते हुए, लक्ष्य प्राप्त करने हेतु आग्रह किया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य, डी डी एम नाबार्ड, परियोजना निदेशक राजेश यादव, एवं बैंकर्स एवं अन्य जनपदस्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर की मूल्य वृद्धि पर 200 रुपये की कटौती पर सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जताया आभार

प्रखर पूर्वान्चल हरिद्वार। रक्षाबंधन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घरेलू गैस के सिलेंडर में 200 रुपये की कटौती किए जाने से उत्साहित पूर्व मंडी अध्यक्ष, भाजपा के वरिष्ठ नेता संजय चोपड़ा ने ई-मेल द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी का संयुक्त रूप से आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया` पूर्व मंडी अध्यक्ष भाजपा नेता संजय चोपड़ा ने कहा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के सर्वंज्ञ विकास के लिए भागीरथ प्रयास किए जा रहे हैं उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी द्वारा एलपीजी सिलेंडरों में 200 रुपये की कटौती की गई है उससे उज्जवला योजना के लाभार्थियों को केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकारों को दी जा रही सब्सिडी काफी लाभ होगा` पूर्व मंडी अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने यह भी कहा महंगाई को नियंत्रण करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा देश में भ्रष्टाचार खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी करने वाले माफियाओं के खिलाफ जिस प्रकार से भाजपा शासित राज्यों में बुलडोजर अभियान चलाए जा रहे हैं उसी के दृष्टिगत आने वाले त्योहारों के सीजन को ध्यान में रखते हुए संयुक्त रूप से विभागीय गोपनीय टास्क फोर्स के गठन किए जाने चाहिए ताकि आम जनता को महंगाई से निजात मिले और घरों सहित अन्य क्षेत्रों में मिलावट रहित खाद्य शुद्ध वस्तु मिल सके` घरेलू गैस सिलेंडर की मूल्य वृद्धि में 200 रुपये की कटौती किए जाने से उत्साहित सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों मे पूर्व केंद्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड के सदस्य आलोक मिश्रा, मनोज कुमार मंडल, राजकुमार एंथनी, राजेश खुराना, संजय बंसल, कमल शर्मा, नंदकिशोर गोस्वामी, चंदन दास, प्रभात चौधरी, सचिन राजपूत, रणवीर सिंह, जय भगवान, हंसराज दुआ, राधेश्याम रतूड़ी, चंदन रावत, जय सिंह बिष्ट आदि ने प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

बाबा पृथ्वीश्वर महादेव का भव्य हरियाली हिम एवं रुद्राक्ष व डमरू दल द्वारा किया गया श्रृंगार

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी खजूरी स्थित बाबा पृथ्वीश्वर महादेव जी का भव्य हरियाली हिम एवं रुद्राक्ष व डमरू दल द्वारा श्रृंगार किया गया महंत माता प्रसाद मिश्रा द्वारा रुद्राभिषेक , बबलू गुरु द्वारा सुंदरकांड का पाठ संपन्न कराया गया` मनोज गुरुद्वारा दो दर्जन डमरु दल द्वारा श्रृंगार हुआ 101 बर्फ की सिल्लियों पर भगवान भोलेनाथ, गणेश जी, हनुमान जी, शिवलिंग,अरघा दर्जनों आकृतियां बनाई गई थी` मंदिर परिसर को कामिनी बेला गेंदा गुलाब के फूलों द्वारा आकर्षक ढंग से सजाया गया था कलाकारों द्वारा हनुमान जी चंद्रयान के साथ आकृति बनाई गई थी आए हुए भक्तों को अतिथि व भक्तों का प्रसाद देंकर स्वागत कार्यक्रम संयोजक मनीष चौबे ने किया श्रृंगार को संपन्न कराने में प्रमुख रूप से अभय दुबे, विवेक सिंह, अनिल कुमार,विकास श्रीवास्तव, संजीव कुशवाहा,मन्नी दुबे, देवांश चौबे,बृजेश मौर्य,नीरज चौबे, शीतल मौर्य रहे श्रृंगार में अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ,आई.आई. ऐ. के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आर. के. चौधरी ,पूर्वांचल बिल्डर एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुज डीडवानिया , वाराणसी प्रेस क्लब के अध्यक्ष अरुण मिश्रा , इंडियन ऑयल वाराणसी जोन के एरिया मैनेजर विकास सहदेव ,काशी के महापौर अशोक तिवारी , वाराणसी विकास प्राधिकरण के सदस्य अंबरीश सिंह भोला, महानगर उद्योग व्यापार समिति के अध्यक्ष प्रेम मिश्रा को अंगवस्त्रम व बाबा का फोटो देकर सम्मानित किया गया।

राज्यपाल मनोज सिन्हा करेंगे पूर्व ब्लाक प्रमुख स्व0 रामनाथ यादव के मूर्ति का अनावरण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अमरनाथ पूर्वाचल इण्टर कालेज सहजतपुर बाराचंवर के सभागार में स्व० रामनाथ यादव आम जनता सेवा ट्रस्ट की बैठक पूर्व प्रधानाचार्य स्वामीनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पूर्व प्रमुख स्व० रामनाथ यादव के मूर्ति अनावरण से सम्बधित चर्चा हुई। बैठक के मुख्य अतिथि राज्यसभा सासंद नीरज शेखर रहे। उन्होने बैठक को सम्बोधित करते हुए बताया कि जम्मू कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा जी से स्व० रामनाथ यादव जी की मूर्ति अनावरण करने के लिए मेरी बात हो गयी है। उन्होने कहा कि 9 सितंबर को 10 बजे दिन में मूर्ति अनावरण के लिए सिन्हा जी समय दिए है। बैठक में कार्यक्रम की सफलता के लिए रणनीति भी बनायी गयी। यह बताते चले कि स्व० रामनाथ यादव की मूर्ति को जब नीरज शेखर बलिया सासंद थे तभी उन्होने उनकी मूर्ति को बनवया था, तथा वह मूर्ति अमरनाथ पूर्वाचल इण्टर कालेज के प्रांगण मे आकर स्थापित हो गयी। लेकिन राजनीतिक उथल पुथल के कारण उस मूर्ति का अनावरण नही हो पाया ।बीच में शोर मचा था कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव स्व०रामनाथ यादव के मूर्ति का अनावरण करने के लिए आयेंगे, लेकिन वह भी नही आ पाये। वहीं जिले मे आकर पूर्व मंत्री स्व० कैलाश यादव के मूर्ति का अनावरण करके चले गये। एक तरह से देखा जाय तो पूर्व प्रमुख स्व० रामनाथ यादव महामहिम राज्यपाल मनोज सिन्हा जी के प्रबंधन वाले विद्यालय नरसिंह इण्टर कालेज मोहनपुरा में अग्रेजी विषय के प्रवक्ता के पद पर कार्यरत थे तथा मनोज सिन्हा के शिक्षक गुरू भी रह चुके है।

समाजवादी पार्टी के विधायक ने वरिष्ठ नेताओं के साथ जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश निवर्तमान जिलाअध्यक्ष डां अवधनाथ पाल यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के विधायक एंव वरिष्ठ नेताओं के साथ जिलाअधिकारी को ज्ञापन सौंपा वहीं डां अवधनाथ पाल ने बताया कि जब से भाजपा सरकार आया है प्रदेश में आरजकता का माहौल है आम लोग दहसत में जिन्दगी जीने पर मजबूर है आज हम सभी लोग जौनपुर में बढ़ते अपराध वह अपराधी मामले हत्या लूट बलात्कार जैसी घटनाओं में जनपद में जनमानस में भय एवं व्याप्त है जिला प्रशासन व शासन में जिम्मेदार पदों बैठे हुए लोग अपनी नाकामियां को छुपाने के लिए समाज के पिछड़े दलित अल्पसंख्यक नौजवान को फर्जी एवं मनमानी ढंग से गुंडा एक्ट और गैंगस्टर एक्ट में फंसा कर उनके पैतृक सम्पत्ति को पुलिस प्रशासन द्वारा कुर्क कराया जा रहा है एवम पुलिस द्वारा में आम आदमी को संवैधानिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है बिना नोटिस के लोगों संपत्ति मकान प्रतिष्ठान, स्कूल तक सील किया जा रहा है जिससे आम जनमानस में गुस्सा है जो पुलिस प्रशासन की तानाशाही है दिन प्रतिदिन कहीं न कहीं हत्या हत्या का प्रकार प्रयास गोली चलना छिनैती, बलात्कार आदि जैसे जंघन्य घटनाएं सामने आती जा रही है व जनपद के विभिन्न तहसीलों थाना ब्लॉक मुख्यालय पर लूट मची है और अत्याचार अपने चरण पर है सिंचाई के लिए नहरो में पानी का अभाव है व बिजली की कटौती किसानों की कमर तोड़कर रख दी है बारिश न होने के कारण किसान और बेहाल हो गया है और महंगाई की मार झेल रहा है। ज्ञापन सौपने मे मुख्य रूप से विधायक पंकज पटेल, राजनाथ यादव, श्रवण जयसवाल, राजेन्द्र टाइगर, राहुल त्रिपाठी, विवेक रंजन यादव, अंखड यादव हिरालाल विश्कर्मा मेवालाल गौतम राजकुमार बिन्द,भारत यादव, साजिद अलीम,अमजद अली, निजामुद्दीन अंसारी बरसातूसरोज अनील दूबे,डॉ जंग बहादुर यादव समर बहादुर यादव एडवोकेट मुन्ना यादव,राजबहादुर यादव लकी यादव आदि लोग मौजूद रहें।

स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर को मिला केंद्र सरकार से शोध प्रोजेक्ट

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर । शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की ओर से स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर को शोध प्रोजेक्ट मिला हैं। इस बारे में आईसीएसएसआर द्वारा आनलाईन सूचना जारी की गई है। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि घोषित परिणामों में स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर को प्रोजेक्ट समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ० रुचि मूर्ति सिंह को मिला है। वह "कमजोर वर्गों पर सुकन्या समृद्धि योजना के प्रभाव का आकलन : उत्तर प्रदेश के जनपद गाजीपुर के सन्दर्भ एक अध्ययन" शीर्षक पर शोध करेंगी। केंद्र सरकार ने बेटियों के नाम पर निवेश को प्रोत्साहित कर, उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए सुकन्या समृद्धि योजना की शुरूआत की है, जिसमें 15 साल तक निवेश करके बच्चियों की पढ़ाई एवं शादी के लिए फण्ड एकत्रित किया जा सकता है। केंद्र सरकार ने इस योजना की शुरूआत "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान के अंतर्गत की थी। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने डॉ० रुचि मूर्ति सिंह को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय शोध के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। भारत सरकार एवं अन्य सभी शोध परियोजनाओं में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रहा है। इस शोध परियोजना में सुकन्या समृद्धि योजना के प्रभाव का आकलन पर केंद्रित शोध कार्य होगा। इससे सुकन्या समृद्धि योजना के प्रभाव का आसानी से पता लगाया जा सकेगा। अपने बधाई संदेश में प्राचार्य प्रोफेसर डॉ०राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि महाविद्यालय में केन्द्र सरकार एवं प्रदेश सरकार से प्रोजेक्ट एवं सेमिनार हेतु फण्ड लाने वाले प्रत्येक शिक्षकों को शिक्षक दिवस पर सम्मानित किया जाएगा। महाविद्यालय के मुख्य कुलानुशासक प्रोफसर डॉ० एस० डी० सिंह, प्रोफसर डॉ० एस० एन० सिंह, प्रोफसर डॉ० अरुण कुमार यादव, डॉ० रामदुलारे, डॉ० हरेन्द्र सिंह, डॉ० पियूष कांत सिंह, डॉ० मनोज कुमार मिश्र, श्री संजय कुमार श्रीवास्तव इत्यादि ने खुशी जताई और बधाईयां दी।

राम लक्ष्मण सीता हनुमान के दर्शन के लिए बर्फ की सिल्लियों से गुजरे भक्त

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। वाराणसी में मानस मन्दिर संकट मोचन रोड स्थित त्रिदेव मंदिर में सजी जल विहार की झांकी को भक्तों की मांग को देखते हुए त्रिदेव मंदिर मे वृंदावन के मोहक फूल बंगले के बीच विशाल झील में फुहारों के बीच राधा कृष्ण के जल विहार की झांकी भक्तों के लिए यादगार बन गई` हिम शिवलिंग के साथ राम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान के साथ फूलों से बने झूले पर राधाकृष्ण की झांकी निहारने के लिए भक्तों का रेला उमड़ पड़ा राणी सती के अलावा सालासर हनुमान और खाटू वाले श्याम प्रभु के श्रृंगार के दर्शन के साथ त्रिदेवों को छप्पन भोग अर्पित किया गया भक्तों में वितरण हुआ` त्रिदेव मंदिर के अध्यक्ष भरत सराफ मंत्री राधे गोविंद केजरीवाल ने संयुक्त रूप से तीनों विग्रहों की पूजा की कामिनी की पत्ती रजनीगंधा आरकीड गुलाब की पंखुड़ियों से बनी गुफा देखने के लिए भक्तों की भीड़ लगी रही वृंदावन का फूल बंगला लुभावना था मंदिर को रंग बिरंगी लाइटों से सजाया गया` 60 फीट चौड़ी झील में फुहारों के बीच रंग-बिरंगे झूले पर राधा कृष्ण की जलविहार की झांकी हर किसी के लिए आकर्षक का केंद्र बनी रही कबूतर बगुला हंस झील में विचरण करते नजर आए हिम शिवलिंग वह राम, लक्ष्मण ,सीता, हनुमान के दर्शन के लिए मंदिर के परिक्रमा पथ पर 300 बर्फ की सिल्लियां बिछाई गई थी मंदिर परिसर में चारों तरफ हरियाली के बीच फुहारों व झरनों के नीचे 12 ज्योतिर्लिंग विराजमान थे` संयोजक में भरत सराफ ,राधे गोविंद केजरीवाल, अनूप सराफ ,पवन अग्रवाल ,एमपी सुरेश तुलस्यान ,अनूप पोद्दार, मुन्ना केजरीवाल, प्रदीप केजरीवाल , राम बूबना, विजय मोदी ,सज्जन सिंघी, राकेश देवड़ा ,प्रकाश थानेवाल, सुनील अग्रवाल ,सुमित सिंथोलिया, विजय खेमका ,मनीष गिनोडिया व त्रिदेव मंदिर सेवक परिवार के सभी सदस्यगण शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

सगे भाइयों ने जीता गोल्ड तीन साल से चैंपियन

प्रखर डेस्क। बिहार के दो सगे भाई लगातार तीन वर्षों से फ्री नेशनल (ईस्ट जोन) में चैम्पियन बनते आ रहे हैं । राजवीर सिंह एवं शिवांशु सिंह। गौरतलब है कि राजवीर सिंह को 25 मीटर स्टैण्डर्ड पिस्टल में गोल्ड मैडल एवं शिवांशु सिंह को 25मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल में सिल्वर एवं 50 मीटर फ्री पिस्टल में कांस्य पदक अपने नाम किया ईस्ट जोन में 6 राज्य के खिलाड़ी भाग लेते हैं। बिहार ,झारखंड ,पश्चिम बंगाल छत्तीसगढ़,उड़ीसा ,अंडमान एंड निकोबार 33वी बिहार स्टेट शुटिंग चैम्पियनशिप प्रतियोगिता में दोनों भाईयों ने 14 मैडल जीतकर प्रदेश एवं जिले का नाम रोशन किये।

बहन से राखी बंधवाने जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा पहुंचे बनारस

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा आज बुधवार दोपहर 12-00 बजे, रक्षाबंधन के पावन पर्व पर अपने बहन से राखी बंधवाने हेतु विमान से लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा वाराणसी पहुंचे। मनोज सिन्हा प्रतिवर्ष के भाति आज अपने बहन के घर सोनभद्र जाकर कलाई पर राखी बंधवाने के लिए वाराणसी पहुंचे है। बाबतपुर हवाई अड्डे पहुंचने पर भारतीय जनता पार्टी गाजीपुर के कार्यकताओं से मनोज सिन्हा ने पुरी आत्मीयता से भेंट कर सभी से बारी बारी कुशल क्षेम पुछा। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष सरोजेश सिंह, प्रो शोभनाथ यादव, जिला महामंत्री प्रवीण सिंह, दयाशंकर पांडेय, अखिलेश सिंह, जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा, अच्छेलाल गुप्ता, कार्तिक गुप्ता, राम राज बनवासी, रामनरेश कुशवाहा, राजेश चौहान, चतुर्भुज चौबे, अजीत सिंह आदि ने पुष्प गुच्छ और अंग वस्त्र से स्वागत अभिनन्दन किया।

वाराणसी भटनी रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव, नहीं हो सका शिनाख्त

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। वाराणसी भटनी रेलमार्ग के माहपुर सादात रेलवे स्टेशन के बीच बूढ़नपुर गांव के समीप किलोमीटर संख्या 108/19 के निकट बुधवार की सुबह रेल लाइन किनारे करीब 30 वर्षीय अज्ञात युवक का शव पाया गया। ग्रामीणों की सूचना पर गेटमैन ने इसकी् सूचना रेलवे स्टेशन मास्टर को दी। इसके उपरांत स्टेशन मास्टर द्वारा इसकी सूचना मेमो के जरिए पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने अप लाइन की रेल पटरी के बीच पड़े मृतक के सिर और लाइन किनारे पड़े धड़ को एकत्रित कर ट्रैक को ट्रेनों के आवागमन हेतु सुचारू बनाते हुए शव के शिनाख्त का काफी प्रयास किया। उम्मीद जताई गयी कि युवक दुर्घटनावश किसी ट्रेन की चपेट में आकर कट गया होगा। पुलिस ने क्षत विक्षत शव को कब्जा में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।इस बाबत थानाध्यक्ष आलोक त्रिपाठी ने बताया कि मृतक के पास मिले मोबाइल से कई नंबरों पर बात की गई तो मृतक के बंजारा जैसे हालात होने की जानकारी मिली। लोगों से बातचीत के आधार पर उसके आगरा के होने की जानकारी मिली, लेकिन कोई स्थाई पता नहीं चल पाया। उसके एक भाई के होने की भी जानकारी मिली, लेकिन पता चला कि अब वह भी आगरा में नहीं रहता। फिलहाल पोस्टमार्टम के लिए शव को मर्चरी हाउस भेज दिया गया है, जहां शिनाख्त के लिए निर्धारित अवधि तक रखने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यूरो किड्स प्ले स्कूल में ननिहालो ने राखी बांधकर मनाया रक्षाबंधन उत्सव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नगर के तुलसीसागर स्थित यूरो किड्स प्ले स्कूल में प्रेम और भाईचारे का पवित्र त्योहार पर छोटे छोटे बच्चों ने एक दूसरे की कलाई पर राखी बांधकर मनाया गया। नन्ही मुन्नी बहनों ने अपनी कक्षा के भाईयो के माथे पर तिलक लगाकर कलाई पर राखी बांधी तत्पश्चात मिठाई भी खिलाई। स्कूल के प्रबन्धक राजेश्वर सिंह ने बताया कि सावन के पूर्णिमा के पूर्व संध्या पर नौनिहालों का यह रक्षाबंधन कार्यक्रम बहुत मनोहारी रहा। इस अवसर पर स्कूल की प्रिंसिपल प्रियंका श्रीवास्तव, निवेदिता यादव, संजू कुमारी आदि उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह'
द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस'
सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001
से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः
9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी,
गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः
0548-2223833, +91-8858563779
+91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं